कोटद्वार, शनिवार
11 अप्रैल 2026
वर्ष: 48
अंक: 310 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया इस्तीफा

दिल्ली वाले घर से मिले थे जले हुए नोट

प्रयागराज (एजेंसी)। कैश कांड में फंसे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। आपको बता दें कि उनके दिल्ली वाले आवास पर जले हुए कैश मिले थे। इस विवाद के बाद उनका दिल्ली हाईकोर्ट से वापस इलाहाबाद तबादला कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल, 2025 को शपथ ली थी। फिलहाल उनके खिलाफ आरोपों के संबंध में एक आंतरिक जांच चल रही है। इस मामले की जांच के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम

बिरला द्वारा गठित तीन सदस्यीय समिति आगामी मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है। पिछले साल 12 अगस्त को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को पद से हटाने की मांग वाला एक बहुदलीय नोटिस स्वीकार करने के बाद महाभियोग की प्रक्रिया शुरू करने के संदर्भ में उनके खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। इससे पहले जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने यशवंत वर्मा की ओर से दायर उस रिट याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत जांच समिति गठित करने के लोकसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी थी। यह निर्णय न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने सुनाया था। 21 जुलाई, 2025 को संसद के दोनों सदनों में महाभियोग की बात चली थी।

आपको प्रणाम कर रहे हैं पहले तो हम यहीं ना थे

- पुरानी संसद देख भावुक हुए बिहार सीएम नीतिश कुमार

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार ने शुक्रवार को संसद भवन में राज्यसभा सांसद पद की शपथ ली। वे पुराना संसद भवन देखकर भावुक हो गए। वे नए संसद भवन से मुस्कुराते हुए बाहर निकले। उनकी नजर सामने स्थित पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे उसे कुछ पल निहारते रहे। इसके बाद उन्होंने पुराने भवन की ओर हाथ उठाकर हिलाया और फिर हाथ जोड़ लिए। नीतिश कुमार 21 साल बाद संसद भवन में लौटे हैं। उन्होंने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्यता की शपथ ली और विधिवत सांसद बन गए। शपथ लेने के बाद वे अपने

सुरक्षा कर्मियों और अन्य कुछ लोगों के साथ नए संसद भवन से बाहर आए। बाहर आने पर उनकी नजर जैसे ही पुराने संसद भवन पर पड़ी तो वे कुछ क्षण तक उसे देखते रहे। इसके बाद उन्होंने अपना हाथ उठाया और संसद भवन की ओर से ऐसे हिलाया जैसे किसी व्यक्ति से कुछ कहना चाह रहे हों। पुराने संसद भवन को निहारते हुए भावनाओं में डूबे नीतिश कुमार ने उसकी ओर हाथ हिलाया और फिर अभिवादन की मुद्रा में हाथ भी जोड़े। उन्होंने पुराने संसद भवन को देखते हुए हाथ जोड़कर कहा–आपको प्रणाम कर रहे हैं। पहले तो हम यहीं न थे। पुराने संसद भवन को देखकर नीतिश कुमार की स्मृतियां ताजा हो गईं।

कठिन राह और हौसलों की

साइकिल पर भारत यात्रा

- 5700 किमी की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं आशा
- एनसीसी कैडेटों ने किया स्वागत

कोलकाता (एजेंसी)। हजारों किलोमीटर की कठिन राह, बदलते मौसम, अनगिनत चुनौतियां- लेकिन हौंसले बुलंद हों तो हर मंजिल करीब लगती है।

इसी जज्बे की जीती-जागती मिसाल बनकर उभरी हैं आशा मालवीय, जिन्होंने अपनी साइकिल यात्रा के जरिए नारी शक्ति, देशभक्ति और अदम्य साहस का ऐसा संदेश दिया है, जिसने युवाओं के दिलों में नई ऊर्जा भर दी है। 78वें भारतीय सेना दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय स्तर की एथलीट, पर्वतारोही व साइक्लिस्ट आशा मालवीय ने 11 जनवरी 2026 को राजस्थान के जयपुर से 7,800 किलोमीटर लंबी देशव्यापी पूर्व-पश्चिम एकल साइकिल अभियान (यात्रा) की शुरुआत की थीं। इस सफर में वह राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड को पार करते हुए करीब 5,700 किलोमीटर की दूरी तय कर कोलकाता पहुंचीं, जहां गुरुवार को एनसीसी कैडेटों व अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। 7,800 किलोमीटर में से अब तक वह लगभग 5,700 किमी की दूरी तय कर चुकी हैं, जबकि उनका अंतिम लक्ष्य चीन की सीमा से लगे अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्र किबिथु तक पहुंचना है। इस प्रेरणादायक अभियान का उद्देश्य महिला सशक्तीकरण, देशभक्ति और अटूट साहस का संदेश देना है। कोलकाता में एनसीसी के बंगाल व सिक्किम निदेशालय में गुरुवार को उनके सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेटों को उनसे सीधे संवाद का अवसर मिला।

बैलगाड़ियां और ढोल लेकर फिर सड़क पर उतरे किसान

- नए खरीद नियमों पर भड़के अन्नदाता, आंदोलन शुरू

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के किसानों ने गेहूं खरीद के नए नियमों का खुलकर विरोध किया है। बैलगाड़ी, ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ उन्होंने शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन किया। नए नियमों में बायोमेट्रिक सत्यापन, वाहन ट्रैकिंग, जियोफेंसिंग और तीन स्तर की जांच शामिल है। किसान इन्हें बोझिल और अपमानजनक बता रहे हैं।

यमुनानगर की सदहुरा मंडी और जिंद की जुलाना मंडी में किसानों ने पुरानी ट्रॉली और बैलगाड़ी से फसल लाकर सरकार के डिजिटल सिस्टम का विरोध जताया। संयुक्त किसान मोर्चा ने शनिवार को चार घंटे हाईवे ब्लॉक करने की घोषणा की है। नए खरीद नियमों के तहत किसानों को पहले मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता है। मंडी पहुंचने पर बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, ट्रैक्टर-ट्रॉली की फोटो, वाहन नंबर और जियोफेंसिंग के जरिए फसल की पुष्टि करनी होती है। सरकार का दावा है कि इससे पड़ोसी राज्यों से सस्ते चावल की घुसपैठ रोकी जा सकेगी।

स्वदेशी मिसाइलों से लैस होंगे राफेल विमान

रक्षा मंत्रालय ने बनाया प्लान, खरीदो और बनाओ की नीति तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत जिन 114 राफेल लड़ाकू विमानों को खरीदने का प्लान बना रहा है, उनको लेकर यह सुनिश्चित किया जाएगा कि स्वदेशी रूप से विकसित मिसाइलों और हथियार प्रणालियों को इनमें एकीकृत किया जा सके। रिपोर्ट के मुताबिक, मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि खरीदो और बनाओ सौदे के तहत होने वाली सरकार-से सरकार डील में तथाकथित इंटरफेस कंट्रोल डॉक्यूमेंट को अनिवार्य किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय से उम्मीद है कि वह अगले महीने फ्रांसीसी जेट निर्माता कंपनी डसॉल्ट को रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी करेगा और उसके बाद अनुबंध पर बातचीत शुरू होगी। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 12 फरवरी को इस सौदे को मंजूरी दे दी थी।

96 फाइटर जेट भारत में ही बनाए जाएंगे

मामले के जानकार लोगों ने कहा कि योजना यह है कि 3.25 लाख करोड़ रुपये की इस मेगा डील के फाइनल कॉन्ट्रैक्ट में आईसीडी को पक्का कर दिया जाए। आईसीडी एक बहुत ही जरूरी सिस्टम इंजीनियरिंग डॉक्यूमेंट है, जो किसी सिस्टम और उसके सब-सिस्टम के बीच के सभी अहम प्रोटोकॉल को कंट्रोल और डिफाइन करता है। डीएसी द्वारा मंजूर किए गए प्रस्ताव के मुताबिक, 18 फाइटर जेट फ्रांस से फ्लाई-अवे कंडीशन में डिलीवर किए जाएंगे, जबकि बाकी 96 भारत में ही बनाए जाएंगे, जिनमें 25 फीसदी से ज्यादा स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इस तरह की रिपोर्टों के बीच कि इस मेगा डील में एक रुकावट आ गई है, क्योंकि फ्रांसीसी राफेल निर्माता डसॉल्ट ने भारत को लड़ाकू विमान का सोर्स कोड देने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने

पुष्टि की है कि कोई भी देश ये मालिकाना सॉफ्टवेयर कोड (जो रडार, इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सूट और हथियार एकीकरण को नियंत्रित करते हैं) किसी तीसरे देश को नहीं देता है और यह डील पूरी तरह से सही रास्ते पर है। ये सोर्स कोड असल में पूरे लड़ाकू विमान को नियंत्रित करते हैं, जिसमें एवियोनिक्स, टारगेट ट्रैकिंग, फ्लाइट कंट्रोल, हथियार लॉन्च और हथियार छोड़ने के एल्गोरिदम शामिल हैं। अधिकारियों ने आगे बताया कि यह कोड मूल उपकरण निर्माता की बौद्धिक संपदा है, जिसे सबसे करीबी सहयोगियों के साथ भी साझा नहीं किया जाता है।

भारत तेजस पर दे रहा ध्यान

भले ही भारत ने अमेरिका या रूस, किसी से भी पांचवीं पीढ़ी के विमान खरीदने का कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन वह भविष्य के लिए स्वदेशी रूप से तेजस मार्क एलए के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके साथ ही, वह लंबी दूरी की मिसाइलों और दो इंजन वाले एलए पर भी काम कर रहा है, ताकि विदेशी हवाई प्लेटफॉर्म, बियॉन्ड विज़ुअल रेंज हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और हवा से जमीन पर मार करने वाली मिसाइलों पर अपनी निर्भरता कम कर सके।

बंगाल में महिलाओं को 3000 का वादा

- *गृहमंत्री अमित शाह ने जारी किया बीजेपी का संकल्प पत्र*
- *घुसपैठ पर जीरो टॉलरेंस नीति, 7वें वेतन आयोग का वादा*

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल विधानसभा चुनाव के ठीक 13 दिन पहले शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने चुनावी वादों का पिटारा खोल दिया। गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी का चुनावी घोषणापत्र जारी किया। इस घोषणापत्र को पार्टी ने भरोसा पत्र नाम दिया गया है। इसमें महिलाओं से लेकर युवाओं तक, प्रमुख वोटर वर्ग के लिए नकदी के वादे किए

गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बंगाल में 2026 विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का 'संकल्प पत्र' जारी किया। इस दौरान उन्होंने राज्य में सत्ता परिवर्तन का आह्वान किया।

घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति करेंगे लागू

अमित शाह ने कहा कि हमारी सरकार घुसपैठ को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर आगे बढ़ेगी। पश्चिम बंगाल की जनता को भरोसा दिलाना चाहता हूं कि पूर्ण बहुमत की सरकार बनाइए। हम घुसपैठियों को बाहर निकाल देश और बंगाल को सुरक्षित बनाने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि बकाया डीए भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा और सरकार बनने के 45 दिन के भीतर सातवें वेतन आयोग को लागू किया जाएगा।

बंगाल की महिलाओं के लिए किए बड़े वादे

संकल्प पत्र में महिलाओं के लिए कई अहम घोषणाएं की गई हैं। इसके तहत केजी से पीजी तक लड़कियों की शिक्षा मुफ्त करने और सरकारी नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया है। साथ ही हर महिला के बैंक खाते में हर महीने 3,000 रुपये देने की भी बात कही गई है। इसके अलावा घोषणा पत्र में टीएमसी सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी करने का वादा, सातवें वेतन आयोग को लागू करने, घुसपैठ और गोतस्करी पर रोक लगाने का संकल्प, उत्तर बंगाल में प्रौद्योगिकी संस्थान खोलने का संकल्प है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह संकल्प पत्र भरोसे का है।

डॉक्टर हरिवंश फिर से बने राज्यसभा सांसद

- जेडीयू ने नहीं भेजा तो सरकार ने किया नामित

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा के उपसभापति रहे हरिवंश को फिर से राज्यसभा की सदस्यता मिल गई है। इस बार उन्हें जेडीयू ने राज्यसभा नहीं भेजा था। माना जा रहा था कि अब राज्यसभा का उनका कार्यकाल समाप्त हो गया है, लेकिन उन्हें एक और चांस मिल गया है। यह मौका उन्हें नामित करके दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से जारी आदेश के चलते उन्हें मनोनीत किया गया है। अधिसूचना में कहा गया है कि एक मनोनीत सांसद के रिटायरमेंट से जो रिक्ति हुई है, उस स्थान पर हरिवंश को मौका दिया गया है। अब वह फिर से राज्यसभा सांसद होंगे। हरिवंश को बिहार के मुख्यमंत्री नीतिश कुमार का

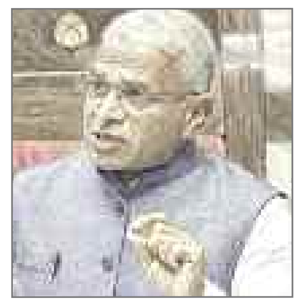

करीबी माना जाता था, लेकिन बीते कुछ समय से उनके रिश्तों में वह गर्मजोशी नहीं दिखी है। इसी वजह से मौका नहीं दिया।

अनोखा ग्रीन कॉरिडोर, 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन... 7 घंटे का सफर 2.30 घंटे में

-100 की रफ्तार से दौड़ेंगे वाहन, जानवर भी सुरक्षित

देहरादून (एजेंसी)। पहाड़ों के बीच सिंगल लेन सड़क पर सामने से अचानक हाथियों का झुंड आने से पीछे गाड़ियों को लंबा जाम लगाता था, कभी उफनती नदी.....तब कभी शिवालिक पहाड़ियों से गिरता मलबा सड़क पर जमा लगा देता था। पहले ऐसा ही नजारा दिखाता था दिल्ली से देहरादून रोड पर आने वाला मोहंड बेल्ट पर। 210 किमी लंबे और तीन राज्यों से गुजरने वाले इस एक्सप्रेस-वे का 20 किमी का हिस्सा राजाजी टाइगर रिजर्व में आता है। लेकिन यह हिस्सा अब पूरी तरह बदल चुका है।

अब मोहंड घाटी के ऊपर बने एलिवेटेड कॉरिडोर से गाड़ी 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से बिना ब्रेक, बिना जाम दौड़ रही हैं और नीचे हाथियों का झुंड आराम से गुजर रहा है। 20 किमी लंबे हिस्से में एलिवेटेड पार्ट 12 किमी का है। यह ग्रीन कॉरिडोर पर्यावरण संरक्षण और विकास के बीच संतुलन का बेहतरीन मिसाल बना है। इस शानदार एक्सप्रेसवे का उद्घाटन 14 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी करने वाले है।

मोहंड घाटी जिस बरसाती नदी से घिरती थी, वहां अब नजर नहीं आती, क्योंकि उस नदी को एलिवेटेड रोड के नीचे से निकाला गया है। सड़क को 35-40 फीट ऊपर, 400 से ज्यादा पिलर्स पर खड़ा किया गया है, ताकि नदी का बहाव, जानवरों के झुंड और विकास तीनों बिना रुकावट चलते रहें।

राजाजी टाइगर रिजर्व के डायरेक्टर बताते हैं कि 14 हजार करोड़ रुपए में बने एक्सप्रेस-वे का 12 किमी का हिस्सा एशिया का सबसे लंबा वाइल्डलाइफ एलिवेटेड कॉरिडोर है। तस्वीरें इस बात का संकेत हैं कि जानवर इसके नीचे से सुरक्षित निकल रहे हैं। ऊपर से भारी वाहन 80 की स्पीड में बाएं और हल्के वाहन 100 की स्पीड पर दाएं चलने वाले है।

पे-पर-यूज टोल सिस्टम, टोल पारंपरिक नाकों वाला नहीं, बल्कि क्लोज्ड टोलिंग सिस्टम होगा। एंट्री-एग्जिट के आधार पर दूरी के हिसाब से शुल्क कटेगा। फास्टैग से बिना रुके भुगतान, जाम की समस्या नहीं। सहारनपुर के कुम्हारहेड़ा में एक टोल प्लाजा पहले से सक्रिय, बाकी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर टोल गेट्स।

इस शानदार एक्सप्रेसवे के बनने से सफर तेज, खर्च कम होगा। 6-7 घंटे का सफर अब 2.5-3 घंटे में, दूरी 260 किमी से 210 किमी होगी। 20 किमी जोखिम भरा पहाड़ी रास्ता अब 12 किमी एलिवेटेड, एक्सीडेंट रिस्क कम होगा। इतना ही नहीं सालाना 93 लाख किलो कार्बन उत्सर्जन घटेगा। इस एक्सप्रेसवे के बनने से पर्यटन, व्यापार को बूस्ट मिलेगा। हरिद्वार-ऋषिकेश-देहरादून का सफर आसान, छुटमलपुर इंटरचेंज से लॉजिस्टिक्स तेज। पर्यटन और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। वहीं बागपत,

शामली, सहारनपुर जैसे शहरों में एक्सप्रेसवे पर नए ग्रोथ हब के रुप में विकसित होने वाले हैं।

मुख्यमंत्री ने चयनित 12 अभ्यर्थियों को दिए नियुक्ति पत्र

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में कृषि एवं कृषक कल्याण विभाग के अंतर्गत मानचित्रक के पद पर चयनित 12 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति कृषि व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी अभ्यर्थी अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी और लगन से कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है। इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद प्रदेश में अब तक 30 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की युवाओं के प्रति प्रतिबद्धता और सुशासन का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, साथ ही मिलेट के उत्पादन और विपणन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार तथा फसल विविधीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त राज्य में सेब, कीवी, बागवानी एवं औषधीय पौधों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य कृषि को लाभकारी और युवाओं के लिए आकर्षक बनाना है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस क्षेत्र से जुड़ सकें।

ड्रिंक एंड ड्राइव और ओवर स्पीड पर विशेष अभियान, एक्शन में पुलिस

रुद्रपुर। ऊधमसिंह नगर जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए एसपी ट्रैफिक ने सख्त निर्देश दिए हैं। इसमें ड्रिंक एंड ड्राइव, ओवर स्पीड और यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। एसपी क्राइम और ट्रैफिक जितेंद्र चौधरी के निर्देशन में जिले की पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है। अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक कर सड़क सुरक्षा को लेकर कड़े निर्देश दिए गए। अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही कार्रवाई में कमी पाए जाने पर जवाबदेही तय होगी। अभियान के तहत विशेष चेकिंग कर शराब पीकर वाहन चलाने वालों की एल्कोमीटर से जांच की जाएगी। वहीं ओवर स्पीड पर नियंत्रण के लिए कस्बों और गांवों के प्रवेश मार्गों पर जिगजैग बैरिकेटिंग लगाने के निर्देश दिए गए हैं। दोपहिया वाहनों पर विशेष निगरानी रखते हुए बाइक ट्रिपलिंग, मॉडिफाइड साइलेंसर और नियमों के विरुद्ध वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डोईवाला नगर के विकास को 72 करोड़ का बजट पास

ऋषिकेश। नगर पालिका परिषद डोईवाला की बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए 72 करोड़ रुपये के आय और 71.55 करोड़ रुपये के व्यय का बजट सर्वसम्मति से पारित हुआ। बैठक में नगर के सर्वांगीण विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिक सेवाओं को मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। सभासदों ने एकजुट होकर डोईवाला को आदर्श पालिका बनाने का संकल्प लिया। शुक्रवार को डोईवाला नगर पालिका सभागार में बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता पालिकाध्यक्ष नरेंद्र नेगी ने की। नगर पालिका बोर्ड बैठक में वार्ड नंबर–1 के सभासद मनीष धीमान ने वार्ड की समस्याएं उठाईं। उन्होंने सभी कच्ची सड़कों के निर्माण, हाट में आने वाले बाहरी व्यापारियों के सत्यापन और देहरादून–ऋषिकेश मुख्य मार्ग पर क्षतिग्रस्त नालियों के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव रखा। सभासद प्रियंका मनवाल ने क्षेत्र की वार्ड नंबर–6 के सैनिक मोहल्ले में ट्यूबवेल निर्माण, 50 साल पुरानी पेयजल पाइपलाइन को बदलने तथा लाइटों की बेहतर व्यवस्था के लिए नए विद्युत पोल लगाने का प्रस्ताव दिया। वार्ड नंबर 14 की सभासद सुशीला सैनी ने बोर्ड बैठक में ट्रेंचिंग ग्राउंड को हस्तांतरित करने की मांग उठाई।

संक्षिप्त समाचार

जुए के पैसों के विवाद में युवक को गंगनहर में धक्का देकर मारा

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में लापता हुए युवक की मौत के मामले में चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। मां ने पड़ोसी पर आरोप लगाया है कि उसने जुए के पैसों के विवाद में बेटे को नहर में धक्का देकर हत्या कर दी और बाद में खुद ही लोगों के सामने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस की ओर से कार्रवाई न करने पर महिला ने कोर्ट में शिकायत पर पड़ोसी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह अधिकारी के मुताबिक लाल मंदिर कॉलोनी ज्वालापुर निवासी मृतक की मां कर्मवती ने शिकायत कर बताया था कि बीते साल 25 सितंबर को उनका बेटा नरेंद्र घर से बिना बताए चला गया। काफी तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चला। इस पर 28 सितंबर को थाना ज्वालापुर में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। अगले दिन 29 सितंबर को पुलिस की सूचना पर परिवार पथरी पावर हाउस बहादराबाद पहुंचा, जहां नहर से एक शव बरामद हुआ था, जो नरेंद्र का था। आरोप है कि साथ गए पड़ोसी अंकुर निवासी लाल मंदिर कॉलोनी, ज्वालापुर ने बार–बार शव को नरेंद्र का न बताते हुए उन्हें गुमराह करने की कोशिश की और यहां तक कह दिया कि यदि शव नरेंद्र का निकला तो वह एक लाख रूपये या अपना टेंपो हार जाएगा। इस व्यवहार से परिवार को उस पर शक हुआ। कर्मवती के अनुसार, पोस्टमार्टम के बाद 30 सितंबर को नरेंद्र का अंतिम संस्कार कर दिया गया। एक अक्टूबर की रात करीब 9 बजे जब घर में घटना को लेकर चर्चा हो रही थी, तब अंकुर ने कथित तौर पर सबके सामने माफी मांगते हुए कहा कि जुए के पैसों को लेकर उसका नरेंद्र से विवाद हुआ था और उसने उसे ज्वालापुर के जग्गू घाट स्थित नहर में धक्का दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। आरोप है कि इस दौरान उसने कर्मवती और उनके दूसरे पुत्र धर्मेंद्र को धमकी भी दी कि यदि उन्होंने कार्रवाई की तो उन्हें भी जान से मार देगा। पीड़िता पहले ज्वालापुर और बाद में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार को शिकायत की, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद न्यायालय में वाद दायर कर आरोपी अंकुर पुत्र सुनील के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चकराता, विकासनगर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना– प्रदर्शन जारी

विकासनगर। विकासनगर और चकराता में मानदेय सहित विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का धरना– प्रदर्शन शुक्रवार को जारी रहा। कार्यकर्ताओं ने मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। कहा कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हो जाती धरना–प्रदर्शन जारी रहेगा। आगनबाड़ी कार्यकर्ताओ का कहना है कि कई बार आंदोलन करने के बावजूद भी सरकार उनकी मांगों की अनदेखी कर रही है। धरने में चकराता क्षेत्र की आशिया बानो, रेखा राणा, अंजू, सरिता निशा, नीता, बबीता, कला, बबली, सविता भूमो, रोशनी, सुनीता, रीता, वर्षा सहित विकासनगर में सुमनलता, उमेश शर्मा, पूनम रानी, रजनी, ज्योति रानी, नानकी देवी, साधना,संगीता,सुमनलता, मीना देवी, बीना, प्रवीन सावित्री, बीना, अंजुम, रज्जी, ऊषा, सीमा, बबीता, रीना, प्रियंका, रजनी,दवी, प्रिंयका, सुमन देवी, अनीता कश्यप, अंजू, बरखा, सारिका, सुधा, परमजीत कौर, रीता यादव, पिंकी पाल, ऊषा यादव सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे। सहित कई आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

गैस किल्लत : बुकिंग करने पर नहीं आ रहा ओटीपी,उपभोक्ता परेशान

विकासनगर। जौनसार–बावर में संचालित आवासीय सुविधा वाले राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालयों (एटीएस) में अनुसूचित जाति वर्ग के छात्र–छात्राओं को प्रवेश नहीं मिलने से लोग नाराज हैं। एटीएस विद्यालयों में एससी वर्ग के विद्यार्थियों को दाखिला दिलाने की मांग को लेकर स्थानीय लोगों ने शुक्रवार को तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा कि, आरक्षित वर्ग के छात्र–छात्राओं की सुविधा को जौनसार के चकराता और कालसी प्रखंड में संचालित एटीएस त्यूणी, एटीएस बिनसोन, एटीएस लाखामंडल, एटीएस लागापोखरी, एटीएस हरिपुर में साल 2016 से एससी वर्ग के विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल रहा है। आवासीय सुविधा वाले इन विद्यालयों में सिर्फ अनुसूचित जनजाति–एसटी वर्ग के विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है।

पलायन रोकने के लिए श्रमिकों को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएं : धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने किया श्रमिक सेवा मोबाइल एप का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित श्रमिक सेवा मोबाइल एप का लोकार्पण करने के साथ ही 8005 श्रमिकों के खाते में 17 करोड़ से अधिक राशि को डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया।

मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि अनुदान वितरण में पारदर्शिता बरते जाने के क्रम में ऑफलाइन अनुदान वितरण बंद कर ऑनलाईन निस्तारण एवं डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के खातों में धनराशि का हस्तांतरण किया जा रहा है। इस प्रक्रिया के जरिए अब तक 11828 लाभार्थियों को कुल 29.89 करोड़ की धनराशि वितरित की जा चुकी है। आज 8005 लाभार्थियों को कुल 17.25 करोड़ की धनराशि वितरित की जा रही है। इस प्रकार विगत 06 माह में अब तक कुल 19833 लाभार्थियों को 47.14 करोड़ की धनराशि वितरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रमिकों एवं उनके आश्रितों के कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान दिया जाए, खासकर पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए स्थानीय श्रमिकों को प्लम्बर, इलैक्ट्रिशियन, मिस्त्री, कारपेन्टर आदि क्षेत्रों में कौशल प्रदान किया जाए। इसी तरह योगा एवं वेलनेस में रोजगार की सम्भावना को देखते हुए आगामी सत्र में श्रमिकों के बच्चों को योग एवं वेलनेस में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाए। इस मौके पर उपायुक्त विपिन कुमार सहित बोर्ड के अन्य अधिकारी उपस्थित हुए।

अब तक हो चुका 16 हजार अधिष्ठानों का पंजीकरण

इस मौके पर श्रमायुक्त पीसी दुम्का ने बताया कि पोर्टल के माध्यम से अब तक 16000 अधिष्ठानों का पंजीकरण हो चुका है, जिसके जरिए शुल्क के रूप में 80,00000.00 (रूपये अस्सी लाख मात्र) धनराशि जमा हो चुकी है,

खाद वितरण पर पाबंदी से किसान नाराज

रुद्रपुर। सहकारी समितियों में उर्वरक वितरण पर लगी सीमा को लेकर किसानों और समिति पदाधिकारियों में रोष बढ़ता जा रहा है। इस संबंध में सहकारी समितियों के चेयरमैन और संचालकों ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर एडीएम कौस्तुभ मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर समस्या के समाधान की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि जिले की सभी सहकारी समितियों के किसानों की फसली ऋण एवं उर्वरक ऋण सीमा जिला सहकारी बैंक ऊधमसिंह नगर से स्वीकृत होती है। मुख्य कृषि अधिकारी के 31 मार्च 2026 के पत्र के अनुसार एक कृषक को बिना अनुमति 5 बैग से अधिक यूरिया, डीएपी व अन्य खाद की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। समिति पदाधिकारियों का कहना है कि एक से 10 एकड़ तक भूमि रखने वाले किसानों के लिए 5 बैग खाद पर्याप्त नहीं है। इससे फसल उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है और किसानों में भारी नाराजगी है।

डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

देहरादून। उत्तराखंड में चल रही डिप्लोमा इंजीनियर्स की हड़ताल के बीच आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ के पदाधिकारियों ने भेंट कर अपनी विभिन्न मांगों के संबंध में विस्तृत चर्चा की। महासंघ के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी 27 सूत्रीय मांगें रखीं, जिनमें पदोन्नति, वेतनमान और पुरानी पेंशन व्यवस्था से जुड़े विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि राज्य सरकार उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है और उनकी सभी मांगों का समुचित परीक्षण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मांगों के समाधान के लिए एक सब–कमेटी का गठन किया जाएगा, जो संबंधित बिंदुओं का गहन अध्ययन कर शीघ्र अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार संवाद और समन्वय के माध्यम से सभी समस्याओं का समाधान निकालने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों को सुचारू बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और राज्य के विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा न आए,

नियमितीकरण में देरी पर भड़के निगम कर्मचारी

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी–अधिकारी महासंघ ने नियमितीकरण समेत 10 सूत्रीय मांगों की अनदेखी पर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शुक्रवार को गांधी रोड स्थित रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यालय में हुई बैठक में कर्मचारियों ने शासन की कार्यप्रणाली पर आक्रोश व्यक्त किया। महासंघ के अध्यक्ष दिनेश पंत ने कहा कि जहां शासन ने राज्य कार्मिकों के लिए दिसंबर 2025 में नियमितीकरण के आदेश जारी कर दिए थे, वहीं सार्वजनिक उद्योग विभाग निगमों में 20–25 वर्षों से कार्यरत संविदा, आउटसोर्स, उपनल और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के मामले में हीला–हवाली कर रहा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन है डिजिटल हेल्थ क्रांति का आधार: उनियाल

देहरादून। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन उत्तराखंड द्वारा आयोजित एबीडीएम– उत्तराखंड कार्यशाला में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्री सुबोध उनियाल बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए और कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा "नए भारत की नई उड़ान" के तहत शुरू किया गया आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन आज देश में डिजिटल हेल्थ क्रांति का आधार बन चुका है। यह मिशन स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि देशभर में एबीडीएम के अंतर्गत अब तक 50 करोड़ से अधिक आभा आईडी बनाई जा चुकी हैं तथा लाखों स्वास्थ्य रिकॉर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़े जा चुके हैं। कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात जैसे राज्य इस मिशन के सफल क्रियान्वयन में अग्रणी हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में भी इस दिशा में तेजी से प्रगति हो रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) एवं एबीडीएम डैशबोर्ड के अनुसार राज्य में लाखों नागरिकों की आभा आईडी बनाई जा चुकी है तथा बड़ी संख्या में सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थान डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़े जा चुके हैं। विशेष रूप से पर्वतीय एवं दुर्गम क्षेत्रों में टेलीमेडिसिन सेवाओं के माध्यम से मरीजों को घर बैठे विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श मिल रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़कर अपनी आभा आईडी अवश्य बनाएं और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को अपनाएं।

दून मेडिकल कॉलेज में बेड की कमी

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी ने राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में बेड की कमी, बाहर से दवा लिखने समेत गंभीर अव्यवस्थाओं एवं बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं के विरोध में प्रदर्शन किया । उन्होंने मांगों से संबंधित ज्ञापन चिकित्सा अधीक्षक को सौंपा। शुक्रवार को उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के महासचिव विनोद सिंह चौहान के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में मरीजों की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया।

उत्तर रेलवे

शुद्धि पत्र

निविदा संख्या– 1RT-TELE-BAGSCANR, SNT-SigLC-Interlocking, SNT-RTSIG-PRI-GCT, 05-SNTRT1-Sig-SSDAC- MSDAC 01-TELE-Six-shed दिनांक- 10.04.2026

विषय: - निविदा खुलने के सम्बन्ध में शुद्धि पत्र

Ref: - 1RT-TELE-BAGSCANR, SNT-SigLC-Interlocking, SNT-RTSIG-PRI-GCT, 05-SNTRT1-Sig-SSDAC-MSDAC 01-TELE-Six-shed Dated: - 02.04.2026

उक्त सन्दर्भ में सूचित किया जाता है कि निम्न कार्यों के अग्रिम अंतिम तिथि समय, लागत और अग्रिम धन में बदलाव किया गया है

सं0.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	संशोधित लगभग लागत रुपये	संशोधित अग्रिम धन रुपये	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए संशोधित अंतिम तिथि और समय
1	2					4	5
1	**1RT-TELE-BAGSCANR-MB25-26** वन टाइम रिपेयरिंग ऑफ़ बैगेज स्कैनर एट बरेली एंड हरिद्वार रेलवे स्टेशन.	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे
2	**SNT-SigLC-InterlockingA** इंटरलॉकिंग ऑफ़ अलसीगेट टीयूवी 20000 इन दा सैक्शन ऑफ एडीएसटी/अचआरआई आफ मुरादाबाद डीविजन	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	04.05.2026 15:00 बजे
3	**SNT-RTSIG-PRI-GCT-2024-25** पथरी कॉमन यूजर ट्रैफिक फेसिलिटि एट पथरी इन सी/डब्लू कानकार जीसीटी	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे
4	**05-SNTRT1-Sig-SSDAC-MSDAC** परोविजिन ऑफ एसएसडीएसी/अमएसडीएसी इन सीए–बीई सैक्शन ऑफ एमबी डीविजन	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे
5	**SNTRT1-AMC-Medha-EI-MB** कमफ्रेनसीव मेन्टीनेंनस कानटेक्ट आफ इलेक्टानिक इनटरलाकिंग सिस्टम ऑफ मेघा मेक फॉर आ पीरियड ऑफ 3 ईयरस ओवर एमबी डीविजन	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे
6	**SNT-Sig-Road-Signal-MB** परोविजिन ऑफ रोड सिगनल एट इनटरलोक्ड गेटस ओवर एमबी डीविजन	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे
7	**28-Sig-Repairing-Fire-Alarm** रिपेयरिंग ऑफ फॉल्ट फायर डिटेक्शन सिस्टम & अलारम सिस्टम इन वेरियस स्टेशनस ओवर मुरादाबाद डीविजन	-	-	-	-	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे
8	**01-TELE-Six-shed-MB-2025** प्रोविजन/उपग्रेडेशन ऑफ इन्फ्रास्ट्रक्चर फेशिलीटीज मोनिटरिंग मेकनिज्म FOIS/TMS एट सिक्स गुड्स शेड ऑवर मुरादाबाद डिवीजन (रामपुर, अमरोहा, बुलंदशहर, हापुड़, हरदोई, रोज़ा)	17377677.35	347600.00	17318903.79	346400.00	27.04.2026 15:00 बजे	29.04.2026 15:00 बजे

नोटः – बाकी अन्य शर्तों में कोई बदलाव नही है। **1214/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

चारधाम यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: मदन कौशिक

– चारधाम यात्रा पर मॉक ड्रिल का निरीक्षण किया

देहरादून। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) के संयुक्त तत्वावधान में आगामी चारधाम यात्रा को आपदा सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से गढ़वाल मंडल के सातों जनपदों में शुक्रवार को व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित की गई।

यह अभ्यास 50 स्थलों पर विभिन्न आपदाओं के काल्पनिक परिदृश्यों के साथ संपन्न हुआ, जिसमें जिला प्रशासन, पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, वायु सेना, अर्द्धसैनिक बल, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन, परिवहन, लोक निर्माण, विद्युत, दूरसंचार और अन्य विभागों ने सहभागिता की।

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास मंत्री मदन कौशिक ने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न जिलों के अधिकारियों और टीमों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद राज्य ने आपदा प्रतिक्रिया क्षमता, पूर्व चेतावनी व्यवस्था और राहत–बचाव संसाधनों में उल्लेखनीय सुधार किया है। सरकार सुरक्षित और सुगम चारधाम यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है तथा सभी विभागों को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक श्रद्धालु को सुरक्षित और बेहतर अनुभव मिले। उन्होंने मौसम आधारित रियल–टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम से यात्रियों तक अलर्ट पहुंचाने और संवेदनशील क्षेत्रों में अग्रिम संसाधन तैनाती के निर्देश दिए। राज्य सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष विनय रूहेला ने यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, स्वास्थ्य सहायता, पेयजल, स्वच्छता और आपात निकासी योजनाओं को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया।

सजा पूरी होने के बाद ही बांग्लादेश भेजी जाएगी महिला

हरिद्वार। अवैध रूप से भारत आई बांग्लादेशी महिला के मामले में पुलिस ने स्पष्ट किया है कि उसे सजा पूरी होने के बाद ही डिपोर्ट किया जाएगा। महिला कथित तौर पर अपने हमशक्ल प्रेमी के कारण भारत पहुंची थी। फिलहाल मामले में कानूनी प्रक्रिया जारी है और ट्रायल के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। ज्वालापुर कोतवाली पुलिस के अनुसार बीते गुरुवार को संदिग्ध रूप से रह रही महिला सहेला बेगम उर्फ स्वीटी को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ में सामने आया कि वह बांग्लादेश की रहने वाली है और बिना वैध दस्तावेज के भारत में प्रवेश कर गई थी। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि महिला अपने एक परिचित युवक श्यामदास से मिलने के लिए भारत आई थी, जिसके बाद दोनों ने शादी कर ली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए महिला को गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। बाद में उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने इस संबंध में बांग्लादेश दूतावास को भी सूचना भेज दी है, ताकि आवश्यक कूटनीतिक औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।

महंगी प्राइवेट किताबों के खिलाफ उठा अभिभावकों का मुद्दा

रुद्रपुर(। जिले में स्कूलों द्वारा महंगी प्राइवेट किताबें लागू किए जाने के खिलाफ अभिभावकों की आवाज बुलंद होने लगी है। शुक्रवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट पहुंचे और जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि ऊधम सिंह नगर के कई निजी विद्यालय एनसीईआरटी के बजाय कई गुना महंगी प्राइवेट किताबें अनिवार्य कर रहे हैं। इससे अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। आरोप है कि स्कूल तय दुकानदारों के माध्यम से ही किताबें बिकवा रहे हैं और पूरे सेट को खरीदना अनिवार्य कर रहे हैं। पदाधिकारियों ने कहा कि किताबों के सेट में गैर–जरूरी सामग्री भी शामिल की जा रही है,

एक नजर

केदारनाथ : थारू कैंप के पास टूटा ग्लेशियर, पैदल मार्ग बाधित

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ पैदल मार्ग पर बड़ी लिनचोली के पास अचानक थारू कैंप के पास ग्लेशियर टूट गया जिससे पैदल मार्ग का एक हिस्सा आंशिक रूप से बंद हो गया। हालांकि किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। घटना शुक्रवार दोपहर करीब साढ़े बारह बजे की है। बड़ी लिनचोली की चढ़ाई पर ग्लेशियर टूटने से पैदल मार्ग बंद हो गया। फिलहाल बर्फ को हटाने का काम किया जा रहा है। तैयारियों में लगे मजदूरों और कर्मचारियों को बर्फ के कारण आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि डीडीएमए की टीमें मार्ग को जल्द से जल्द सुचारु करने के लिए जुटी हुई हैं। उधर, घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग तत्काल मौके पर पहुंचे। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि या घायल होने की सूचना नहीं है। मौके पर तैनात टीमें श्रमिकों और उपकरणों के साथ मार्ग को जल्द से जल्द सुचारु करने में जुटी हुई हैं।

मॉक ड्रिल से परखी गईं तैयारियां

रुद्रप्रयाग। आगामी यात्रा से पहले आपात स्थिति में तैयारियों को परखने के लिए जनपद में मॉक डील कर अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के तहत चिरबासा क्षेत्र में बादल फटना, बाढ़, भूस्खलन से हाईवे बंद होने, फाटा क्षेत्र में भूस्खलन के बीच वाहन दुर्घटना, केदारनाथ हेलिपैड पर आपात लैंडिंग, खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर लापता होने जैसी स्थितियों का अभ्यास किया गया। इस दौरान एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, पुलिस, स्वास्थ्य, परिवहन और जिला प्रशासन की टीम ने आपसी समन्वय के साथ कार्य किया। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि जिले के सात चिह्नित स्थानों पर मॉक ड्रिल कर भूस्खलन और अन्य आपदाओं में रेस्क्यू का परीक्षण किया गया।

गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा पहुंची रुद्रप्रयाग

रुद्रप्रयाग। गाडू घड़ा तेल कलश यात्रा शुक्रवार को नगर में पहुंची। इस दौरान नगरवासियों और श्रद्धालुओं ने यात्रा का स्वागत कर तेल कलश के दर्शन किए। यात्रा के जीएमवीएन में पहुंचने पर केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल, बीकेटीसी के उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण, बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा सहित कई जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं ने तेल कलश यात्रा के दर्शन किए। यात्रा इसके बाद गौचर और कर्णप्रयाग के लिए प्रस्थान करेगी। इस अवसर पर आशुतोष डिमरी आदि मौजूद रहे।

गुगली–कलाकोट मार्ग के निर्माण की मांग

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़े गबनीगांव का गुगली–ककोला–कलाकोट मार्ग इन दिनों बदहाल बना है जिससे ग्रामीणों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बुटोलगांव निवासी ओम प्रकाश गोस्वामी ने बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई है जिससे यहां दोपहिया वाहन फिसल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मार्ग पर डामरीकरण के नाम पर औपचारिकता की है। सड़क पर बिखरे छोटे–छोटे पत्थर दोपहिया वाहनों के लिए खतरा बने हुए हैं। ग्राम प्रधान गबनीगांव अंजू नौटियाल ने कहा कि इस मार्ग से गुगली, बुटोलागांव, कलाकोट, बगड़धार, पिल्लू, जहंगी, ककोला और गणेशनगर सहित कई गांव जुड़े हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द मार्ग के सुधारीकरण की मांग की। कहा कि जल्द मार्ग का सुधारीकरण नहीं किया गया तो आंदोलन किया जाएगा।

नंदप्रयाग में दस वर्ष बाद होगा बैसाखी मेला

चमोली। अलकनंदा और नंदाकिनी के संगम पर स्थित पंच प्रयागों में शामिल नंदप्रयाग में 10 वर्ष बाद इस बार बैसाखी मेले का आयोजन होगा। दो दिवसीय इस मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रम होंगे। वर्ष 2016 के बाद से नंदप्रयाग में बैसाखी मेला नहीं हुआ है। इस बार मेले को भव्य तरीके से मनाया जाएगा। बैसाखी पर नंदप्रयाग में गांवों से श्रद्धालु संगम पर स्नान कर मां चंडिका के दर्शनों के लिए पहुंचते थे। वर्ष 2016 के बाद किन्हीं कारणों से मेले का आयोजन नहीं हो पाया था मगर अब नगर पंचायत ने मेले का फिर से आयोजन करने का निर्णय लिया है। नगर पंचायत अध्यक्ष पृथ्वी सिंह रौतेला और मेला कोषाध्यक्ष डॉ. सौरभ वैष्णव ने बताया कि 13 व 14 अप्रैल को मेले का आयोजन होगा। इसमें स्कूली छात्र–छात्राओं के साथ ही ममंद की की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी जाएंगी। गढ़वाली कवि सम्मेलन और पतंजलि महिला टीम की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। नगर पंचायत अध्यक्ष ने बताया कि मेला आयोजन को लेकर संगम के साथ ही मेला स्थल पर साफ–सफाई का काम शुरू कर दिया गया है। मेले को भव्य रूप दिया जाएगा।

टिहरी बार एसोसिएशन के जयवीर बने अध्यक्ष

नई टिहरी। जिला बार एसोसिएशन टिहरी के चुनाव में अधिवक्ता जयवीर सिंह रावत को अध्यक्ष चुना गया है। अन्य सभी पदों पर एक–एक नामांकन होने के कारण सभी पदाधिकारियों का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी आनंद प्रकाश सेमल्टी, सहायक चुनाव अधिकारी अरविंद खरोला ने बताया कि शुक्रवार को बार एसोसिएशन के चुनाव पर्यवेक्षक राकेश गुप्ता, डीके शर्मा और राजवीर बिष्ट की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। कुल 122 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। केवल अध्यक्ष पद ही चुनाव हुए जिसमें जयवीर सिंह रावत को 63 व अनिल शर्मा को 57 मत मिले। छह मतों से जयवीर विजयी रहे जबकि दो मत अवैध मिले। इसके अलावा कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष पद पर दिनेश चंद्र उनियाल, सचिव चंद्रभान राणा, सहसचिव कविता भट्ट, कोषाध्यक्ष पवना और ऑडिटर पद पर प्रेम सिंह बनगाई का एक–एक नामांकन होने से वह निर्विरोध चुने गए। वहीं, पुस्तकालय अध्यक्ष पद पर कोई नामांकन नहीं हुआ।

जून में नंदा देवी चोटी का अध्ययन करने जाएगी वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की टीम

चमोली। नंदा देवी पर्वत की स्थिति जांचने और वहां पड़ रहे प्रभावों का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों की टीम जून माह में यहां जाएगी। इसके लिए वन विभाग ने भी तैयारी शुरू कर दी है। वन कर्मियों को आईटीबीपी की ओर से उच्च हिमालय क्षेत्र तक पहुंचने और विषम परिस्थितियों में वहां रहने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नंदा देवी चोटी पर पर्वतारोहण अभी बंद है। चोटी पर मानव गतिविधियां बंद होने से यहां किस तरह के प्रभाव पड़ रहे हैं इसके अध्ययन के लिए हर 10 वर्ष में वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों का दल इस चोटी पर जाता है। टीम के साथ नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क के कर्मचारी भी शामिल होते हैं। इस वर्ष जून माह में नंदा देवी एक्सपीडिशन प्रस्तावित है।

झोपड़ी में मृत मिला बुजुर्ग, पुलिस ने किया अंतिम संस्कार

कलालाघाटी क्षेत्र में मृत बुजुर्ग के शव का अंतिम संस्कार करती पुलिस

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के अंतर्गत सिडकुल फैक्ट्री तिराह के समीप झोपड़ी डालकर रह रहे एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पुलिस ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर बुजुर्ग का अंतिम संस्कार किया।

कलालघाटी पुलिस ने बताया कि 85 वर्षीय बजुर्ग साधु राम कलालघाटी चौकी के समीप फैक्ट्री तिराह में सड़क किनारे झोपड़ी डालकर एकाकी जीवन व्यतीत कर रहे थे। साधुराम की देखरेख करने वाला कोई नहीं था। शुक्रवार को कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि साधुराम की मौत हो गई है। इसके बाद कलालघाटी चौकी से मौके पर पहुंची पुलिस ने अपने संसाधनों के माध्यम से शव का धार्मिक विधि विधान से अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस कर्मियों ने साधुराम को मुखाग्नि दी। साथ ही उनकी आत्मा की शांति के लिए भी प्रार्थना की गई। इस मौके पर कांस्टेबल सुशील कुमार, कांस्टेबल रविंद्र भट्ट, संजय पाल, चमन कुमार, अनिल राणा मौजूद रहे।

एनएसएस बी व सी प्रमाणपत्र परीक्षा की तैयारी शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के अंतर्गत 18 महाविद्यालयों व विश्वविद्यालय के कार्यक्रम अधिकारियों की एक बैठक आहुत की गई। गढ़वाल विश्वविद्यालय श्रीनगर के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राकेश नेगी अनंत की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में आगामी मई-जून में एनएसएस के बी व सी प्रमाणपत्र परीक्षाओं के आयोजन का निर्णय लिया गया। डॉ. नेगी ने बताया कि इसके लिए प्रो. विद्युत बोस की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया जो परीक्षा से संबंधित दिशा-निर्देश तैयार करेगी। कहा कई कारणों से यह परीक्षा वर्ष 2019 के बाद आयोजित की जा रही है। बैठक में भारत सरकार के निर्देशानुसार प्राप्त एनएसएस निधि को समयबद्ध तरीके से महाविद्यालयों के संबंधित खातों में स्थानांतरित करने पर भी जोर दिया गया ।

भाजपा ने संगठन की मजबूती का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : भारतीय जनता पार्टी ने संगठन की मजबूती का संकल्प लिया। कहा कि सरकार की ओर से चलाई जा रही विकास की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए गंभीरता से कार्य किया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी सतपुली मंडल की ओर से टिफिन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भाजपा महिला प्रदेश अध्यक्ष रूचि भट्ट, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा प्रमिला भंडारी ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को एकजुट होने का मंत्र दिया। कहा कि संगठन की मजबूती के लिए हर कार्यकर्ता व पदाधिकारी को एकजुट होकर कार्य करना होगा। केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाएं जन-जन तक पहुंचे इसकी पूरी जिम्मेदारी संगठन के सदस्यों, कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की है। कार्यक्रम के दौरान महिलाएं अपने-अपने घर से टिफिन लेकर आई थी। जिला महामंत्री रजनी मौर्य, उपाध्यक्ष शकुंतला ने संगठन से अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने की बात कही।

कहा की महिलाओं की भागीदारी से संगठन और समाज दोनों मजबूत होते हैं। इस मौके पर महिला मोर्चा अध्यक्ष पुष्पा असवाल, महामंत्री ममता रावत, गंगा खंतवाल, रेणु घिल्डियाल, भगवंती रावत, ममता ध्यानी, संगीता रावत, अंजना वर्मा, मालती जुयाल, राजेश्वरी आदि मौजूद रहे।

सक्षम ने उत्तर मध्यमा परीक्षा में प्रदेश में किया टॉप

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा परिषद की 2025-2026 की परीक्षाओं का परिणाम घोषित कर दिया गया है।

इस वर्ष श्री जयदयाल अग्रवाल संस्कृत उत्तर मध्यमा विद्यालय, श्रीनगर के कक्षा 12 (उत्तर मध्यमा) के छात्र सक्षम प्रसाद ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। सक्षम की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।

सक्षम ने परिषद की हाईस्कूल परीक्षा में भी प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल किया था। कीर्तिनगर के डागर पट्टी के पाली कसिल्ड गांव निवासी दिनेश प्रसाद फोदणी और माता सरवेश्वरी देवी के पुत्र सक्षम प्रसाद ने उत्तर मध्यमा परीक्षा में 93.4 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया। सक्षम ने बताया कि वह विद्यालय के अलावा नियमित रूप से चार-पांच घंटे पढ़ाई करते हैं। कहा ज्योतिष विषय में उन्होंने सबसे ज्यादा 99 अंक हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि वह अपना भविष्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बनाना चाहता हैं। अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने गुरुजनों व अभिभावकों को दिया है।

समक्ष के पिता पूजा-पाठ का काम करते हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद सकलानी ने कहा कि सक्षम की इस उपलब्धि से सभी का मान बढ़ा है। उन्होंने इसे सक्षम के कठिन परिश्रम, अनुशासन और मार्गदर्शन का परिणाम बताया। सक्षम की सफलता पर विद्यालय के शिक्षक द्वारिका प्रसाद कपरवाण, सुनील प्रसाद फोदणी, गिरीश चंद्र डिमरी, दीपक राज नौटियाल, नरेश दत्त पेटवाल, हरीश पैन्यूली, मुकेश प्रसाद, संगीता भट्ट आदि ने खुशी जताई। (एजेंसी)

कांग्रेस से ज्यादा भाजपा में है गुटबाजी : शैलजा

कोटद्वार में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए बोली कांग्रेस प्रदेश प्रभारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि उत्तराखंड में कांग्रेस मजबूती के साथ खड़ी हो रही है। यह कहना गलत है कि कांग्रेस में गुटबाजी है। कांग्रेस से ज्यादा गुटबाजी तो भारतीय जनता पार्टी के भीतर है। उन्होंने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से केंद्र व प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। कहा कि भाजपा के राज में उत्तराखंड की जनता परेशान हो चुकी है। ऐसे में अब जनता प्रदेश में बदलाव चाहती है। जनता कांग्रेस को एक बार फिर सत्ता में लाना चाह रही है।

शुक्रवार को निंबूचौड़ में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता कुमारी शैलजा ने कहा कि सत्ता में आने से पूर्व बेहतर विकास का वादा करने वाली भाजपा सत्ता में बैठकर जनता का शोषण कर रही है। उत्तराखंड की जनता शिक्षा, रोजगार जैसे मुद्दों के लिए संघर्ष कर रही है। परेशान जनता कांग्रेस से ही न्याय की उम्मीद कर रही है। कहा कि कांग्रेस सदैव जनता के साथ खड़ी रहती है। जनता के हर मुद्दें को गंभीरता से उठाया जाता है। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि कांग्रेस को घर-घर जाकर संगठन से लोगों को जोड़ने का कार्य करना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष प्रीतम सिंह, चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. हरक सिंह

कोटद्वार में कांग्रेस सम्मेलन में पहुंचे अतिथियों का स्वागत करते कार्यकर्ता व पदाधिकारी

रावत, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों से एकजुट होकर चुनाव की तैयारियों में जुटने की अपील की। कहा कि भाजपा अभी से अपनी हार को भांप चुकी है। जनता को भाजपा के कुशासन से छुटकारा दिलाने के लिए कांग्रेस को एकजुट होना होगा। इस मौके पर प्रदेश के सहप्रभारी सुरेश शर्मा, मनोज यादव, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामरतन सिंह नेगी, प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना, जिलाध्यक्ष विकास नेगी, महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण, विजय सारस्वत, पूर्व महापौर हेमलता नेगी, सरोजनी कैंत्यूरा, रूचि कैंत्यूरा, गीता नेगी, रंजना रावत, राजेसिंह आर्य, गीता सिंह, धीरेंद्र सिंह बिष्ट, संजय मित्तल, रूपेंद्र नेगी, अमित राज सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए किया प्रेरित

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : फ्रेंड्स ऑफ हिमालय और भलु लगद (फील गुड) ट्रस्ट की ओर से महिलाओं को बौद्धिक व शारीरिक विकास के संबंध में जानकारी दी गई। इस दौरान महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ने के लिए भी प्रेरित किया गया।

विकासखंड पोखड़ा के संगलाकोटी में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में वक्ताओं ने महिलाओं को बौद्धिक व शारीरिक विकास के बारे में बताया। कहा कि महिलाओं को स्वरोजगार से जुड़कर आत्मनिर्भर भारत की राह में आगे बढ़ना चाहिए। आज कई महिलाएं स्वरोजगार से जुड़कर अपने परिवार की आर्थिकी को मजबूत बना रही हैं। इस दौरान महिलाओं को कार्यशाला में मिलने वाली जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की भी अपील की गई। इस मौके पर फ्रेंड्स आफ हिमालय के निदेशक डा. प्रेम बहुखंडी, भलु लगद (फील गुड) ट्रस्ट के संस्थापक सुधीर सुंद्रियाल, अनीता रावत, दिव्या बुड़ाकोटी डोभाल, अभिषेक रावत आदि मौजूद रहे।

परीक्षा फार्म में विषय संशोधन के लिए छात्रों को मिला मौका

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विवि ने सम सेमेस्टर परीक्षा आवेदन पत्र में भरे गए प्रश्न-पत्र/विषयों में सुधार के लिए छात्रों को एक और अवसर दिया है। विवि प्रशासन का कहना है कि विभिन्न महाविद्यालयों एवं छात्र-छात्राओं द्वारा विश्वविद्यालय से संपर्क कर बताया गया कि कई विद्यार्थियों ने परीक्षा फॉर्म में गलत पेपर/विषय (पाठ्यक्रम) का चयन कर लिया है, जिनमें संशोधन आवश्यक है। इस संदर्भ में विवि ने नोटिफिकेशन जारी कर ऐसे सभी छात्रों को 13 अप्रैल से 16 अप्रैल के बीच निर्धारित प्रपत्र भरकर संशोधन कराने का समय दिया है। विवि के परीक्षा नियंत्रक प्रो. जेएस चौहान ने कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही संशोधन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

चारधाम यात्रा को लेकर जल संस्थान की तैयारी पूरी

श्रीनगर गढ़वाल : उत्तराखंड जल संस्थान देवप्रयाग चारधाम यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाने में जुटा है। विभाग की ओर से इस बार पेयजल के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। देवप्रयाग और कीर्तिनगर में वाटर फिलिंग स्टेशन के निर्माण के साथ ही यात्रा मार्ग पर विभाग का एक टैंकर भी तैनात रहेगा। विभाग के अधिशासी अभियंता नरेशपाल सिंह ने व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इस बार चारधाम यात्रा मार्ग पर पेयजल किल्लत नहीं होगी। इसके लिए देवप्रयाग और कीर्तिनगर में फिलिंग स्टेशन बनाए गए हैं, ताकि सड़क किनारे लगे वाटर एटीएम आदि में किसी कारण से पेयजल की आपूर्ति न होने पर टैंकरों से पानी भरा जाएगा। पाल ने बताया कि यात्रा के दौरान ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्रह्मपुरी से कीर्तिनगर और टिहरी मोटर मार्ग पर मलेथा से पौखाल तक 21 टैंक टाइप स्टैंड पोस्ट, चार पिलर टाइप स्टैंड पोस्ट व 65 हैंडपंपों की मरम्मत, सफाई, रंगाई व पुताई आदि का कार्य 90 फीसदी से अधिक हो चुका है। इसके अलावा मार्गों पर लगे आठ वाटर एटीएम की सामान्य मरम्मत का काम भी अंतिम चरण में है।

प्रशासन ने मॉक ड्रिल कर परखी व्यवस्थाएं

श्रीनगर गढ़वाल : श्रीनगर क्षेत्र में आयोजित मॉक अभ्यास के तहत विभिन्न स्थानों को आपदा परिदृश्यों के रूप में चिन्हित कर घटनाओं का यथार्थ चित्रण किया गया। कहीं भूस्खलन की स्थिति में मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालने की चुनौती सामने आई, तो कहीं सड़क दुर्घटना में घायलों को त्वरित उपचार और अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था को परखा गया। अग्निकांड की स्थिति में प्रभावित स्थल से लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने की तत्परता दिखाई गई, वहीं भूकंप जैसी स्थिति में क्षतिग्रस्त भवनों से रेस्क्यू ऑपरेशन संचालित कर राहत कार्यों की प्रभावशीलता का परीक्षण किया गया। अत्यधिक वर्षा की स्थिति को ध्यान में रखते हुए चारधाम यात्रा को अस्थायी रूप से नियंत्रित करने, यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर ठहराने, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा संवेदनशील क्षेत्रों को खाली कराने जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का भी अभ्यास किया गया।

आज होगा कोटद्वार में पासपोर्ट सेवा केंद्र का शुभारंभ

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : लंबे इंतजार के बाद शनिवार को कोटद्वार में पासपोर्ट सेवा केंद्र का शुभारंभ किया जाएगा। 11 अप्रैल को विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्घेटरिटा व गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी केंद्र का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद कोटद्वार में भी पासपोर्ट बनने शुरु हो जाएंगे। इससे कोटद्वार के साथ ही पहाड़ के लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

लोकसभा चुनाव के दौरान गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी ने कोटद्वार में पासपोर्ट सेवा केंद्र खोलने का वादा किया था। इसके बाद वह लगातार इस प्रयास में जुटे हुए थे। केंद्र से मिली स्वीकृति के बाद भारतीय डाक विभाग की कोटद्वार शाखा की ओर से पासपोर्ट केंद्र के लिए स्थल की तलाश शुरू कर दी गई। तहसील परिसर में पासपोर्ट केंद्र के लिए भवन मिल गया। प्रशासन ने जिला विकास प्राधिकरण के भवन के दो कमरों का जीर्णोद्धार कर वहां पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित कर दिया गया। साथ ही नवंबर माह के अंतिम सप्ताह में यह भवन को डाक विभाग के सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद पासपोर्ट सेवा केंद्र में जरूरी उपकरण स्थापित कर किए गए व बीते मार्च माह में केंद्र में ट्रायल कर दिया गया। ट्रायल के दौरान दस युवाओं के पासपोर्ट बनाने की प्रक्रिया की गई। अब 11 अप्रैल से केंद्र में विधिवत पासपोर्ट बनाने का कार्य शुरू हो जाएगा। 11 अप्रैल को विदेश राज्यमंत्री पवित्र मार्घेरिटा और सांसद अनिल बलूनी कोटद्वार पहुंच कर पासपोर्ट सेवा केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

कोटद्वार तहसील परिसर में 11 अप्रैल को आयोजित होने वाले समारोह के लिए लगाया जा रहा टैंट

गले के संक्रमण के बढ़ रहे मरीज

श्रीनगर गढ़वाल : मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण लोगों की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। कभी गर्मी तो कभी अचानक ठंड के कारण उपजिला चिकित्सालय में वायरल फीवर के बाद अब गले के संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 10 से 12 मरीज सिर्फ गले की गंभीर समस्या लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों ने चेतावनी दी कि यदि समय पर पूरा इलाज नहीं लिया गया तो यह संक्रमण फेफड़ों तक पहुंचकर गंभीर रूप ले सकता है। उपजिला चिकित्सालय श्रीनगर के नाक–कान–गला (ईएनटी) रोग विशेषज्ञ डॉ. दिगपाल दत्त ने बताया कि मौसम में हो रहे उतार–चढ़ाव को लोग समझ नहीं पा रहे हैं। सर्द–गर्म के इसी फेर के चलते वायरल फीवर के बाद अब गले के संक्रमण के मरीज तेजी से बढ़े हैं।

एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार डॉ पीतांबर दत्त बर्थवाल हिमालय पीजी कॉलेज कोटद्वार में इतिहास विभाग के तत्वाधान में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया ,जिसमें मुख्य अतिथि उत्तराखंड विधानसभा की अध्यक्षा श्रीमती रितु खंडूरी भूषण ने अपने उद्बोधन में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के विचारों पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि उनके विचार सभी के लिए प्रेरणा का काम करते हैं। डॉक्टर अंबेडकर ने समाज के वंचित और शोषित व्यक्तियों के अधिकारों के लिए जीवन भर संघर्ष किया कहा कि आज के समय में डॉ अंबेडकर के विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है समाज में समानता भाईचारे की भावना को मजबूत करने के लिए उनके सिद्धांतों को अपनाना जरूरी है । युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि उत्तराखंड गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष राज्य मंत्री डॉ पंडित राजेंद्र अण्थवाल ने अपने उद्बोधन में कहां की समाज में दबे कुचले लोगों को ऊंचा उठाना ही अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी समाज के गरीब तबके

वंचितों को मुख्य धारा में लाना हम सब का कर्तव्य होना चाहिए आज उनके विचारों को अपनाने की जरूरत है । कार्यक्रम में दूसरे विशिष्ट अतिथि अनुसूचित जाति आयोग उत्तराखंड के अध्यक्ष राज्य मंत्री मुकेश कुमार ने अंबेडकर बाद को समझना बहुत जरूरी है । समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्य धारा में लाना ही अंबेडकर बाद है अंबेडकर किसी जाति विशेष के नहीं सभी वर्गों के थे । उन्होंने कहा कि हरिद्वार में अंबेडकर जी का स्मारक बनाया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सतपुली डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा कि बाबा साहब को भारत रत्न देने में 34 वर्ष का लंबा समय लग गया भारतीय संविधान में आदर्श वाक्य सत्यमेव जयते अंबेडकर जी की देन है । उन्होंने दलित शब्द दिया एक कर एक देश सहकारिता जैसे अनेक कार्यक्रम जो आज चल रहे हैं हुए अंबेडकर के विचार थे । कार्यक्रम में प्रोफेसर विक्रम शाह मातृत्व अवकाश महिला पुरुष के लिए समान वेतन चकबंदी बांध निर्माण को अंबेडकर साहब की देन बताया सेमिनार में प्रोफेसर रमेश चौहान, प्रोफेसर आदेश कुमार, डॉ. राकेश पाल, डॉ रीटा शर्मा ,डॉ अर्चना गौतम, डॉ जुनीष कुमार ने आपने विचार रखे । अंत में सेमिनार क़े समन्वयक डॉ जूनीश कुमार, डॉ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने सभी का आभार व्यक्त किया । महाविद्यालय क़े प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी ने सभी अतिथियो का आभार व्यक्त करते हुये डॉ अम्बेडकर क़े विचारों पर प्रकाश डालते हुये कहा की आधुनिक भारत की दिशा तय करने वाले डॉ अम्बेडकर थे । उन्होंने कहा कि हमें अधिकारों को ही नहीं बल्कि कर्तव्य का भी पालन करना चाहिये । कार्यक्रम में डॉ रोशनी असवाल, डॉ एस क़े गुप्ता कार्यक्रम संयोजक जूनीश कुमार, डॉ हीरा सिंह, डॉ विनोद सिंह, डॉ प्रवीन जोशी, डॉ प्रीति रानी, डॉ राखी डिमरी, डॉ अभिषेक, गोयल डॉ कपिल थपलियाल, डॉ सुषमा थलेडी, डॉ धर्मेंद्र पंवार, डॉ चंद्र प्रभा कंडवाल ,संत कुमार, विकास आर्य ,डॉ. कपिल थपलियाल, मनवऱ लाल भारती, अरविन्द दुदपुड़ी सहित महाविद्यालय क़े शोध छात्र-छात्राऐं व समस्त विभाग क़े प्राध्यापक गण व छात्र छात्राएं सहित एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे। महाविद्यालय क़े प्राचार्य प्रोफेसर डीएस नेगी की अध्यक्षता में हुये कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर बीसी शाह ने किया।

संपादकीय

स्वगणना एक नैतिक जिम्मेदारी भी

उत्तराखंड में जांगड़ना 2027 के प्रथम चरण में हाउसिंग स्वगणना शुभारंभ कर दिया गया है जिसके तहत प्रदेश में व्यापक अभियान चलाया गया है। राज्य सरकार ने इस कार्य को पूरा करने के लिए एक शासकीय मशीनरी को लक्ष्य पूरा करने का जिम्मा सोप है और यह कार्य अगले 14 दिन अर्थात 24 अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस बार के इस कार्यक्रम में पहली बार प्रदेश के नागरिकों को ऑनलाइन तरीके से अपनी जानकारियां भरने की सुविधा मिलेगी। लक्ष्य पूरा करने के लिए लगभग 30 हजार कर्मचारियों को लगाया गया है। कार्यक्रम के तहत पहले चरण में 'मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना होगी। डिजिटल इंडिया के अंतर्गत पहली बार नागरिकों को यह सुविधा प्रदान की गई है कि वे जनगणना अधिकारी के घर आने से पूर्व स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं। प्रत्येक 10 वर्ष में देश में जनगणना का कार्य किया जाता है और यह एक बेहद विकट प्रक्रिया है। जनगणना केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि राज्य के विकास की आधारशिला है। किसी भी देश में रहने वाले मूल नागरिकों की पहचान जनगणना के आधार पर की जा सकती है और भारत में जिस प्रकार से अवैध तरीके से घुसपैठ कर बसे हुए लोगों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है, जनगणना के माध्यम से ऐसे लोगों की पहचान भी सुनिश्चित हो सकेगी। इस कार्य को पूरा करने के लिए सरकार तो अपनी तैयारियां पूरी कर चुकी है लेकिन यहां एक बड़ी जिम्मेदारी प्रदेश के सभी नागरिकों की भी बनती है कि वह स्व–गणना के माध्यम से इस महत्वपूर्ण अभियान में सक्रिय सहभागिता करें, जिससे डेटा की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सके। निश्चित तौर पर जनगणना से प्राप्त सटीक आंकड़े राज्य सरकार को बेहतर नीतियां बनाने और अंतिम छोर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में सहायक हो सकते हैं। सरकार ने जनगणना की इस प्रक्रिया को बेहद सरल और सुलभ बनाने की कोशिश की है और इसके तहत प्रथम चरण में नागरिकों को मकानों की स्थिति, उपलब्ध सुविधाओं बिजली, पानी, शौचालय तथा संपत्तियों से संबंधित 33 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। स्व–गणना करने वाले नागरिकों को एक विशेष आईडी प्राप्त होगी, जिसे गणना कर्मी के आगमन पर साझा करना अनिवार्य होगा। यह कार्य केवल एक शासकीय कार्य नहीं है बल्कि हर नागरिक की एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है कि वह अधिकारियों का पूर्ण सहयोग करें तथा स्व–गणना सुविधा का अधिकतम उपयोग करते हुए राज्य के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उत्तराखंड में जिस प्रकार से राज्य गठन के बाद बाहरी लोगों की संख्या बड़ी है ऐसे लोगों की पहचान में भी जनगणना का कार्य एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा साथ ही यह भी संभव है कि अवैध रूप से सरकारी जमीनों पर कब्जे कर बनाए गए निर्माण भी चिन्हित हो सकेंगे।

सत्यशोधक ज्योतिबा फुले: जिनके विचारों ने बदली समाज की दिशा

दिलीप कुमार पाठक

इतिहास अक्सर उन लोगों को भूल जाता है जो किसी भव्य इमारत की नींव में ईंट बनकर समा जाते हैं। लेकिन जब-जब आधुनिक भारत में न्याय और बराबरी की बात होगी, ज्योतिबा फुले का नाम सबसे ऊपर लिया जाएगा। फुले कोई पारंपरिक नेता नहीं थे, वे एक ऐसे दूरद्रष्टा शिक्षक थे जिन्होंने ब्लैकबोर्ड पर अक्षर लिखने से पहले समाज की कड़वी सच्चाइयों और गरीबों के आंसू पढ़ना सीखा था। आज हम जिस आधुनिक भारत में सांस ले रहे हैं, जहाँ महिलाएं कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं और समाज का हर वर्ग तरक्की के सपने देख रहा है, उसकी पहली मजबूत ईंट 19वीं सदी में ज्योतिबा फुले ने ही रखी थी।वह एक ऐसा दौर था जब शिक्षा पर कुछ खास लोगों का एकाधिकार था और समाज की एक बहुत बड़ी आबादी अज्ञानता के घने अंधेरे में कैद थी। ज्योतिबा ने बहुत कम उम्र में ही यह समझ लिया था कि किसी को गुलाम बनाने के लिए लोहे की जंजीरें जरूरी नहीं होतीं, बल्कि उसे अशिक्षा के पिंजरे में कैद रखना ही काफी होता है। उन्होंने बड़ी बेबाकी से समाज को आईना दिखाते हुए कहा था- शिक्षा के बिना इंसान की बुद्धि मर जाती है और बुद्धि के बिना उसका विकास और नैतिकता हमेशा के लिए रुक जाती है।

ज्योतिबा फुले के जीवन का सबसे साहसी अध्याय उनकी जीवनसंगिनी सावित्रीबाई फुले के साथ जुड़ा है। उन्होंने किसी बड़े मंच से केवल भाषण देने के बजाय, बदलाव की शुरूआत अपने घर से की। उस कट्टर समाज की कल्पना कीजिए, जहाँ औरतों का पढ़ना एक महापाप माना जाता था, वहाँ ज्योतिबा अपनी पत्नी के हाथ में कलम और किताब थमा रहे थे। जब सावित्रीबाई स्कूल पढ़ाने निकलती थीं और उन पर गोबर और कीचड़ फेंका जाता था, तो ज्योतिबा एक चट्टान की तरह उनके पीछे खड़े रहते थे। यह उन दोनों का अटूट साहस और जिद ही थी, जिसने 1848 में पुणे के भिड़ेवाड़ा में लड़कियों के लिए भारत के पहले स्कूल का रास्ता खोला और सदियों पुराने बंद दरवाजे हमेशा के लिए तोड़ दिए। फुले के सुधार केवल स्कूलों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहे।

उनकी पैनी नजर समाज की हर उस बुराई पर थी जो एक इंसान को दूसरे इंसान से छोटा समझती थी। उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना की, जिसका एकमात्र उद्देश्य लोगों को अंधविश्वासों के मानसिक चंगुल से बाहर निकालना था। वे केवल बातों के धनी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने सिद्धांतों को जीकर दिखाया। जब अछूतों के लिए पानी पीना भी अपराध माना जाता था, तब उन्होंने अपने खुद के घर का पानी का टैंक उनके लिए खोल दिया। यह उस समय के कट्टरपंथी समाज के मुंह पर एक बहुत बड़ा तमाचा था। वे जानते थे कि जब तक एक आम इंसान अपनी नजरों में खुद को गौरवशाली नहीं समझेगा, तब तक वह समाज में अपना हक कभी नहीं मांग पाएगा। अक्सर हम फुले को इतिहास की एक पुरानी तस्वीर मानकर दीवार पर टांग देते हैं, लेकिन उनके विचार आज के आधुनिक युग में भी उतने ही अनिवार्य हैं। आज हमारे पास बड़ी-बड़ी डिग्रियां तो हैं, लेकिन क्या हमारे भीतर वह सामाजिक चेतना है जो फुले पैदा करना चाहते थे? उन्होंने स्पष्ट कहा था कि शिक्षा का असली मकसद केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि खुद को स्वतंत्र बनाना और समाज के प्रति संवेदनशील होना है।

आज जब हम समाज में बढ़ती नफरत और भेदभाव की नई दीवारें देखते हैं, तो फुले की गुलामगिरी जैसी कालजयी रचनाएं हमें याद दिलाती हैं कि असली मानसिक आजादी पाना अभी भी एक लंबा संघर्ष है। महात्मा फुले ने कभी अपने व्यक्तिगत सुख या आराम की चिंता नहीं की। अपनी प्रतिभा और पढ़ाई के दम पर वे चाहते तो एक बहुत ही समृद्ध जीवन जी सकते थे, लेकिन उन्होंने उन लोगों के लिए कांटों भरा रास्ता चुना जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े थे। यही कारण है कि जनता ने उन्हें अपने दिल से महात्मा की उपाधि दी थी। उनकी लड़ाई किसी विशेष धर्म या जाति के खिलाफ नहीं थी, बल्कि उनकी जंग उस अमानवीय व्यवस्था के विरुद्ध थी जो इंसान और इंसान के बीच ऊंच-नीच की दीवार खड़ी करती थी। वे किसानों के दुख-दर्द को भी उतनी ही शिद्दत से समझते थे और उनके शोषण के खिलाफ हमेशा ढाल बनकर खड़े रहे।

11 अप्रैल का यह दिन हमें रुककर यह आत्मचिंतन करने का मौका देता है कि हम फुले के सपनों के भारत के कितने करीब पहुँचे हैं। क्या आज हर गांव के बच्चे के हाथ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा है? क्या आज भी हमारी महिलाएं समाज में पूरी तरह सुरक्षित और स्वतंत्र महसूस करती हैं? महात्मा फुले ने जो मशाल डेढ़ सौ साल पहले जलाई थी, उसे बुझने न देना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आइए, आज हम फुले के उन सिद्धांतों को याद करें जो कहते हैं कि ज्ञान ही वह एकमात्र प्रकाश है जो हमें अंधकार से बाहर निकालकर सम्मान का जीवन दिला सकता है। उनका संघर्ष हमें भरोसा दिलाता है कि अगर हमारे इरादे नेक हों, तो एक अकेला व्यक्ति भी वक्त की धारा को मोड़ने का दम रखता है।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस: हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरूआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर ह्यमिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्सह्न विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है। केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मातृ मृत्यु दर को 40 से नीचे ला दिया है, जबकि उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम में यह दर अभी राष्ट्रीय औसत से अधिक है, फिर भी संस्थागत प्रसव में वृद्धि के कारण वहां तेजी से सुधार हो रहा है। इस सफलता के पीछे 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' और 'लक्ष्य' जैसे कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, जिनसे स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, विशेषकर लेबर रूम सुविधाओं में सुधार हुआ है। साथ ही, व्यापक टीकाकरण, बेहतर पोषण और प्रसव के दौरान प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता ने मातृ स्वास्थ्य की स्थिति में व्यापक बदलाव लाया है।

प्रत्येक वर्ष इस दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। वर्ष 2024 की थीम स्वस्थ शुरूआत, आशाजनक भविष्य रखी गई थी, जिसका उद्देश्य गर्भावस्था की शुरूआत से ही मां और शिशु के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करना था। वर्ष 2025 की थीम समान मातृत्व देखभालः हर माँ का अधिकार रही, जबकि वर्ष

2026 की थीम सुरक्षित मातृत्व के लिए नवाचार और सुलभ स्वास्थ्य सेवा निर्धारित की गई है।

अंततः, यही कहूंगा कि राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस केवल एक जागरूकता दिवस नहीं, बल्कि एक मानवीय और सामाजिक दायित्व का प्रतीक है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति उसकी माताओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य से मापी जाती है। जब तक हर गर्भवती महिला को समय पर उचित देखभाल, पर्याप्त पोषण, प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाएं और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिलेगा, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इस दिवस का मूल संदेश यही है कि सुरक्षित मातृत्व कोई विकल्प नहीं, बल्कि हर महिला का मौलिक अधिकार है। वास्तव में, सामूहिक प्रयासों, जन-जागरूकता और सशक्त स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के माध्यम से ही हम एक ऐसा समाज व देश बना सकते हैं, जहां हर मां सुरक्षित हो और हर नवजीवन स्वस्थ भविष्य की ओर अग्रसर हो।

राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों के विधानसभा चुनाव 2026

विनोद कुमार सिंह

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

प्रथम चरण का मतदान मेंजनमत की गूंज,लोकतंत्र का आत्मविश्वास और बदलते राजनीतिक संकेत...

हमारा लोकतंत्र केवल एक संवैधानिक व्यवस्था नहीं,बल्कि जनचेतना की वह जीवंत धारा है , जो समय-समय पर अपने स्वरूप, अपने तेवर और अपनी दिशा को स्वयं निर्धारित करती है।वर्ष 2026 के विधानसभा चुनावों का प्रथम चरण - असम,केरल और केन्द्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में सम्पन्न मतदान - इसी लोकतांत्रिक चेतना का प्रखर और व्यापक प्रतिबिंब बनकर सामने आया है।यह चरण केवल मतपेटियों तक सीमित एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि जनमत की वह गूंज है जिसमें सामाजिक परिवर्तन की आहट, राजनीतिक पुनर्संतुलन की छाया और भविष्य की राजनीति की स्पष्ट रूपरेखा सुनाई देती है।

निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों ने इस लोकतांत्रिक उत्सव को और अधिक अर्थपूर्ण बना दिया है। असम में लगभग 85 प्रतिशत से अधिक मतदान, केरल में लगभग 78 प्रतिशत और पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास रिकॉर्ड मतदान यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारत का मतदाता अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय और निर्णायक भागीदार बन चुका है। यह आंकड़े केवल प्रतिशत नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति जनता के विश्वास,उसकी प्रतिबद्धता और उसकी आकांक्षाओं का जीवंत प्रमाण हैं।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि वहां चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं, बल्कि जनसरोकारों की अभिव्यक्ति का मंच बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों तक जिस प्रकार मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, वह इस बात का द्योतक है कि मतदाता अब अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और सचेत है।यह उत्साह जहां एक ओर सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौती का संकेत देता है, वहीं दूसरी ओर यह भी दशार्ता है कि यदि सरकार ने अपने कार्यों से जनविश्वास अर्जित किया है,तो उसे पुनः अवसर भी मिल सकता है।

केरल का मतदान प्रतिशत अपनी प्रकृति में भले ही संतुलित प्रतीत होता हो, लेकिन उसकी गहराई में एक परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रवाह दिखाई देता है।यहाँ का मतदाता परंपरागत रूप से विचारधारा आधारित मतदान करता है और यही कारण है कि मतदान का प्रतिशत स्थिर रहते हुए भी अत्यंत महत्वपूर्ण संकेत देता है। लगभग 78 प्रतिशत मतदान यह बताता है कि केरल में लोकतंत्र केवल एक प्रक्रिया नहीं,बल्कि एक वैचारिक अभ्यास है,जिसमें हर मतदाता अपने निर्णय को एक जिम्मेदारी के रूप में देखता है।

पुडुचेरी में लगभग 90 प्रतिशत के आसपास मतदान ने यह

सिद्ध कर दिया है कि लोकतंत्र का उत्साह क्षेत्रफल या जनसंख्या पर निर्भर नहीं करता,बल्कि जनभागीदारी की भावना पर आधारित होता है। छोटे से केन्द्र शासित प्रदेश में इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का मतदान करना यह दशार्ता है कि लोकतंत्र की जड़ें कितनी गहरी और मजबूत हैं। यह मतदान न केवल राजनीतिक दलों के लिए संदेश है, बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा भी है कि लोकतंत्र की असली शक्ति जनता की सक्रिय भागीदारी में निहित है।

इस प्रथम चरण का एक और महत्वपूर्ण पक्ष मतदाता संरचना में हो रहा परिवर्तन है।लगभग 5.3 करोड़ से अधिक मतदाताओं की भागीदारी यह दशार्ती है कि लोकतंत्र अब केवल संख्याओं का खेल नहीं, वरन विविधता और समावेश का उत्सव बन चुका है। महिला मतदाताओं की बढ़ती संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी इस परिवर्तन का सबसे सशक्त संकेत है।केरल और पुडुचेरी जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की संख्या पुरुषों के बराबर या उससे अधिक होना केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं,बल्कि एक सामाजिक क्रांति का संकेत है।

महिलाएं अब केवल मतदान करने वाली इकाई नहीं,बल्कि नीति निर्धारण को प्रभावित करने वाली शक्ति बन चुकी हैं।उनके मुद्दे अब चुनावी विमर्श के केंद्र में हैं - चाहे वह महंगाई हो, स्वास्थ्य सेवाएं हों, शिक्षा हो या सुरक्षा।राजनीतिक दलों ने भी इस परिवर्तन को स्वीकार करते हुए अपनी रणनीतियों में बदलाव किया है और महिला मतदाताओं को ध्यान में रखकर योजनाएं और घोषणाएं प्रस्तुत की हैं।यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में महिला मतदाता भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में निर्णायक भूमिका निभाएंगी।

युवा मतदाताओं की भागीदारी इस चुनाव की आत्मा है।लाखों नए मतदाताओं का पहली बार मतदान करना यह दशार्ता है कि भारत का भविष्य अब मतदान केंद्रों तक पहुंच चुका है। यह युवा वर्ग पारंपरिक राजनीति से अलग सोच रखता है।उसके लिए जातीय या धार्मिक समीकरणों की अपेक्षा रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अवसर और वैश्विक प्रतिस्पर्धा अधिक महत्वपूर्ण हैं।वह केवल वादों से प्रभावित नहीं होता,बल्कि परिणाम चाहता है,पारदर्शिता चाहता है और अवसर चाहता है। यही कारण है कि आज की राजनीति में युवाओं की भूमिका केवल सहायक नहीं, बल्कि निर्णायक बन चुकी है।

पुरुष मतदाताओं की भूमिका अब भी महत्वपू
महिला और युवा मतदाताओं के उभार ने चुनावी
को अधिक संतुलित और प्रतिस्पर्धी बना दिया है।
लोकतंत्र के लिए सकारात्मक संकेत है,क्योंकि
अधिक निष्पक्ष और परिणाम अधिक प्रतिनिधिक
अगर हम वर्त्तमान राजनीतिक परिदृश्य की ब
असम, केरल और पुडुचेरी तीनों ही क्षेत्रों में अ
प्रकार के चुनावी समीकरण देखने को मिल रहे है
जहां भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन और कांग्रेस
बीच सीधा मुकाबला है,वहीं केरल में पारंपरिक
(छऊॅ) और यु डी एफ (वऊॅ.)के बीच वैच
जारी है। पुडुचेरी में त्रिकोणीय मुकाबला चुना

अधिक जटिल और रोचक बना रहा है।

असम में उच्च मतदान यह संकेत देता है कि चुनाव अत्यंत प्रतिस्पर्धी है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने लाभार्थी वर्ग और महिला मतदाताओं का समर्थन बनाए रखने में सफल रहता है,तो उसे बढ़त मिल सकती है ,लेकिन उच्च मतदान अक्सर सत्ता विरोधी भावना का भी संकेत होता है, जिससे चुनाव परिणाम अनिश्चित हो जाता है।

केरल में स्थिति और भी जटिल है, क्योंकि वहां का मतदाता अत्यंत जागरूक और वैचारिक है।यहाँ चुनाव परिणाम बहुत ही सूक्ष्म अंतर से तय होते हैं और यही कारण है कि दोनों प्रमुख गठबंधन पूरी ताकत से मैदान में हैं।पुडुचेरी में रिकॉर्ड मतदान यह संकेत देता है कि मतदाता परिवर्तन चाहता है या स्पष्ट जनादेश देना चाहता है, लेकिन त्रिकोणीय मुकाबले के कारण यहां हंग असेंबली की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

मतदान प्रतिशत के भीतर छिपे राजनीतिक संकेतों को यदि समझा जाए कि उच्च मतदान केवल संख्या नहीं,बल्कि एक संदेश है।यह संदेश कभी बदलाव का होता है, कभी समर्थन का और कभी संतुलन का।महिला मतदाताओं की सक्रियता यह दशार्ती है कि कल्याणकारी योजनाएं और सामाजिक सुरक्षा अब राजनीति के केंद्र में हैं।युवा मतदाताओं की भागीदारी यह बताती है कि भविष्य की राजनीति विकास और अवसरों के इर्द-गिर्द घूमेगी।

प्रथम चरण का यह मतदान यह भी स्पष्ट करता है कि भारतीय लोकतंत्र अब एक नए दौर में प्रवेश कर चुका है।यह दौर परंपरागत समीकरणों से आगे बढ़कर विकास,पारदर्शिता और जवाबदेही पर आधारित है। मतदाता अब केवल भावनाओं के आधार पर नहीं,वरन अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर निर्णय लेता है।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

—सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com

'हेरा फेरी 3' में देरी की अफवाहों को परेश रावल ने किया खारिज

फिल्म 'हेरा फेरी 3' को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। फैंस इस फिल्म को लेकर जिस बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं, इसे लेकर उतनी ही तरह-तरह की अफवाहें आती रहती हैं। फिल्म को लेकर बीते दिनों ऐसी खबरें आईं कि इसमें देरी होगी। मगर, अब परेश रावल ने इस पर बात की और ऐसी अफवाहों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने फिल्म की शूटिंग पर भी अपडेट दिया।

जल्द शुरू करेंगे शूटिंग

परेश रावल ने हाल ही में अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' के प्रमोशन के दौरान फिल्म 'हेरा फेरी 3' में देरी होने की अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि जिस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार हो रहा था, वह जरूर बनेगा। अभिनेता ने मनी कंट्रोल से बात करते हुए कहा, 'किसी भी बात पर ध्यान न दें। 'हेरा फेरी 3' आ रही है। मैं जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू करूंगा'।

कब रिलीज होगी 'भूत बंगला'

बता दें कि इस फिल्म का एलान बीते वर्ष हुआ था। तब से ही 'हेरा फेरी 3' सुर्खियों में छाई हुई है। पहले ऐसी चर्चा थी कि परेश रावल ने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया है, लेकिन अब वे इस फ्रैंचाइजी के साथ फिर से जुड़ गए हैं। परेश रावल के 'हेरा फेरी 3' छोड़ने के बाद यह खबर फैल गई कि अक्षय ने उन पर 25 करोड़ रुपये के हर्जाने का मुकदमा किया है। उन्होंने समय रहते चीजों को सुलझा लिया, जिसके चलते अक्षय को मामला वापस लेना पड़ा। बात करें 'भूत बंगला' की तो यह फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इसमें अक्षय कुमार लीड रोल में हैं। 'भूत बंगला' हॉरर-कॉमेडी फिल्म है। इसका निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। इस फिल्म में अक्षय और प्रियदर्शन ने 14 साल बाद काम किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा तब्बू, परेश रावल, राजपाल यादव, असरानी, मिथिला पालकर और वामिका गब्बी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

वो लड़की नहीं बनूंगी जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों की हीरोइन रही वामिका गब्बी के लिए बॉलिवुड का सफर आसान नहीं रहा। हिंदी फिल्मों में छोटी-छोटी भूमिकाएं करने वाली वामिका ने मुख्यधारा की नायिका बनने के लिए लंबा इंतजार किया। ग्रहण जैसी वेब सीरीज से चमकी वामिका ने जुबली और खुफिया जैसे ओटीटी प्रोजेक्ट्स से अपनी जमीन पुख्ता की। आज तो वे राजकुमार राव और अक्षय कुमार जैसे बड़े स्टार्स के साथ काम कर रही हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं प्रियदर्शन निर्देशित भूत बंगला से।

उस साल इंडस्ट्री से बोरिया -बिस्तर बांधकर जाने की सोच चुकी थी

राजकुमार राव के साथ भूलचूक माफ कर चुकी वामिका इन दिनों अक्षय कुमार जैसे बड़े हीरो की हीरोइन बन चुकी हैं, मगर एक समय ऐसा भी था, जब स्ट्रगल डेज में वे इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना चुकी थीं। वे बताती हैं, 'साल 2019 मेरे लिए बहुत ज्यादा मुश्किल था। तब मैंने सोच लिया था, मुझे नहीं बनना एक्टर। यहां कुछ नहीं हो रहा, तो मैं एक्टिंग ही छोड़ देती हूं। उस साल मैंने अपना बोरिया -बिस्तर बांधने का फैसला कर लिया था। ये उस वक्त की बात है, जब मैंने विशाल सर (फिल्मकार विशाल भारद्वाज) की फिल्म मिडनाइट चिल्ड्रन के लिए ऑडिशन दिया था और मैं शॉर्ट लिस्ट हो गई।

वो लड़की नहीं बनूंगी, जो 40 साल में भी एक्टिंग में कुछ कर न पाए

पंजाबी फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत करने वाली वामिका गब्बी ने बॉलिवुड में जब वी मेट जैसी फिल्म में करीना कपूर की कजन की छोटी सी भूमिका भी की। फिर मुंबई में अपने 8 साल के करियर में फिल्मों और किरदारों के मामले में अच्छी-खासी मेहनत की है। अपने सफर को लेकर वे कहती हैं, 'मुझे तो हमेशा से अभिनय करना था, मगर आठ -नौ साल से मैं जब तक मुंबई में थी, तब जब करियर में कुछ हो नहीं रहा था। आज सोचती हूं कि तब मैंने हार क्यों नहीं मानी? मैंने ऐसी कई कहानियां सुनी थीं कि लड़कियां 17-18 साल की उम्र में हीरोइन बनने जाती हैं और 40 साल की होकर जब वापिस आती हैं, तब उनका इंडस्ट्री में कुछ नहीं होता।

डैड के लिए असरानी जी फोटो छिपकर ली थी

उनका परिवार उनके स्टारडम को कैसे देखता है? इस पर वे कहती हैं, 'आपको एक दिलचस्प बात बताऊं? मेरे डैड से उनके दोस्त अक्सर कहा करते थे, गब्बी, तेरी बेटी ऐक्ट्रेस तो बन ही जाएगी। उसे फिल्में तो मिल ही जाएंगी, मगर क्या वो किसी बड़े स्टार के साथ काम कर पाएगी? अब जब मेरी फिल्म भूत बंगला आई, तो वे बोले, अब मैं अपने दोस्तों से कह सकता हूं कि मेरी बेटी अक्षय कुमार जैसे सुपर स्टार के साथ काम कर रही है, प्रियदर्शन उसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मेरा परिवार बहुत खुश है कि मुझे असरानी और परेश रावल सरीखे दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर मिला। मैंने तो शूटिंग के दौरान चुपके से स्वर्गीय असरानी जी का फोटो खींचकर अपने डैड को भेजी थी। वे बहुत एक्साइटेड थे कि मैं प्रीमियर पर असरानी जी से मिलूंगा। मगर अफसोस आज वे हमारे बीच नहीं हैं।'

ऐक्ट्रेस न होती, तो जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती

वामिका के बारे में सभी जानते हैं कि वे एनिमल लवर भी हैं। असमय -साम्य पर वे जानवरों के हक़ में आवाज बुलंद करती रहती हैं। वे कहती हैं, 'अगर मैं अभिनय न कर रही होती, तो यकीनन जानवरों को रेस्क्यू कर रही होती। मैं एक एनिमल लवर हूं और मुझे उनके बीच उन्हीं की तरह रहना पसंद है। मेरे पास 6 डॉग हैं मैंने इन्हें कोविड के दौरान रेस्क्यू किया था। मेरे कुत्तों का नाम है, फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो।

चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म कर सकते हैं रणवीर सिंह

'धुरंधर' फ्रेंचाइज की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य, रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया...' आदित्य इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा', एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था।

'धुरंधर: द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधर: द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधर: द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट 'धुरंधर' का किरदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।

फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा

मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।

मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज

मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

इंडस्ट्री में अपना काम खुद बताना पड़ता है

अभिलाष थपलियाल इन दिनों वेब सीरीज 'एस्पिरेंट्स' के सीजन 3 को लेकर चर्चा में हैं, जहां उनका 'एसके' का किरदार दर्शकों के दिलों में खास जगह बना चुका है। दैनिक भास्कर से बातचीत में अभिलाष ने बताया कि इस बार भी शो को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है, खासकर दोस्ती से जुड़े इमोशनल सीन लोगों को गहराई से छू रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'एसके' का किरदार उन लोगों की कहानी है जो जिंदगी में फेल होते हैं, इसलिए दर्शक उससे खुद को जोड़ पाते हैं। अभिलाष ने अपने करियर की शुरुआत, रेडियो जॉकी से लेकर फिल्मों और वेब सीरीज तक के सफर को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक्टिंग उनका पहला सपना नहीं था, बल्कि वह आर्मी जॉइन करना चाहते थे। इंडस्ट्री में आउटसाइडर होने के कारण आई चुनौतियों और लगातार खुद को साबित करने की जरूरत पर भी उन्होंने खुलकर बात की।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 3 को लेकर कैसा रिस्पॉन्स मिल रहा है?

बहुत शानदार। एस्पिरेंट्स से लोग पहले ही जुड़ चुके हैं, इसलिए इस बार भी प्यार मिल रहा है। खासकर दोस्ती वाले सीन काफी वायरल हुए हैं। लोग कहते हैं कि देखकर भावुक हो गए।

आपके किरदार 'एसके' से लोग इतना कनेक्ट क्यों करते हैं?

क्योंकि ये सिर्फ टॉपर की कहानी नहीं है, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो फेल हो जाते हैं। हम सब कहीं न कहीं वैसा ही महसूस करते हैं, इसलिए कनेक्शन बनता है।

क्या बचपन से ही एक्टर बनना चाहते थे?

बिल्कुल नहीं। मैं तो आर्मी जॉइन करना चाहता था। मैं फौजी परिवार से हूं, ह्ष्ष क्लियर करना सपना था, लेकिन वो पूरा नहीं हुआ।

एक्टिंग में एंट्री कैसे हुई?

मैं दिल्ली में रेडियो जॉकी था। वहीं फिल्म 'तेवर' के डायरेक्टर अमित शर्मा से मुलाकात हुई। उन्होंने मुझे फिल्मों में ट्राई करने को कहा। फिर मुंबई आया और पहली फिल्म पहली फिल्म 'दिल जंगली' मिली।

'एस्पिरेंट्स' से पहले करियर कैसा था?

शुरुआत में फिल्में ज्यादा नहीं चलीं, फिर टीवी और कॉमेडी शोज किए। सोशल मीडिया पर पॉलिटिकल सटायर भी करता था। लेकिन असली पहचान 'एस्पिरेंट्स' से मिली।

'एसके' का रोल कैसे मिला?

मैंने ऑडिशन दिया था। पहले मुझे लगा मैं 'अभिलाष' का किरदार करूंगा, लेकिन बाद में पता चला कि मुझे 'एसके' का रोल मिल रहा है।

'एस्पिरेंट्स' सीजन 1 के बाद क्या जिम्मेदारी बढ़ गई थी?

हां, लेकिन मैं स्क्रिप्ट में ज्यादा बदलाव नहीं करता। जो लिखा होता है, उसे ईमानदारी से निभाता हूं। मेरा मानना है 'कम में बम ', कम सीन हों, लेकिन असरदार हों।

क्या आपने एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है?

नहीं, मैंने कोई फॉर्मल ट्रेनिंग नहीं ली। जो सीखा, लाइफ से सीखा। अलग-अलग जगह रहने से अलग-अलग भाषा और एक्सेंट पकड़ना आसान हो गया।

'एस्पिरेंट्स' के बाद करियर में क्या बदलाव आया?

इसके बाद मुझे कॉन्फिडेंस आया कि मैं खुद को एक्टर कह सकता हूं। फिर मैंने अनुराग कश्यप जैसे डायरेक्टर्स के साथ काम किया और अलग-अलग रोल मिले।

आपने किन-किन फिल्मों और प्रोजेक्ट्स में काम किया है?

'एस्पिरेंट्स' के बाद मुझे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स मिले। मैंने फिल्म 'ब्लर' में काम किया, अनुराग कश्यप के साथ फिल्म 'केनेडी' में काम किया। और अश्विनी अय्यर तिवारी के साथ वेब सीरीज 'फाडू' में काम किया। इन प्रोजेक्ट्स ने मुझे एक एक्टर के तौर पर काफी कॉन्फिडेंस दिया।

इंडस्ट्री में सबसे बड़ा स्ट्रगल क्या रहा?

आउटसाइडर होने का। आपको खुद जाकर लोगों को बताना पड़ता है कि आप क्या कर सकते हैं। यहां कोई गॉडफादर नहीं होता। मैं आज भी डायरेक्टर्स और प्रोड्यूसर्स से मिलता हूं, खुद को पिच करता हूं। यह प्रोसेस कभी खत्म नहीं होती।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया के दो गांवों पर बंदूकधारियों ने किया हमला, कम से कम 20 लोगों की मौत

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने दो गांवों पर हमला कर कम से कम 20 लोगों की हत्या कर दी। स्थानीय निवासियों ने यह जानकारी दी है। ये हमले मंगलवार तड़के नाइजर राज्य के शिरोरो क्षेत्र में स्थित बगना और एरेना गांवों में हुए। शिरोरो, राजधानी अबुजा से लगभग 250 किलोमीटर दूर है। एरेना के निवासी जिब्रिन इसाह ने बताया, 'हमलावर मोटरसाइकिलों पर आए और अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। यह तड़के का समय था, इसलिए हमला पूरी तरह से अचानक हुआ।' स्थानीय लोगों के अनुसार, हमले में 20 से अधिक लोगों की मौत हुई है और कई लोग अब भी लापता हैं। हालांकि, पुलिस ने केवल तीन लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है। वहीं प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर कई घंटों तक गांवों में सक्रिय रहे, घरों में लूटपाट की और लोगों को जान बचाने के लिए पड़ोसी इलाकों में भागने पर मजबूर कर दिया।

शेख हसीना के 'सियासी अंत' पर मुहर?: आवामी लीग आतंकी संगठन घोषित, बांग्लादेश संसद ने लगाया स्थायी बैन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की संसद ने बेहद सख्त कानून पारित किया है। इसके तहत पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को आधिकारिक कानूनी मोहर लगा दी गई है। अब आवामी लीग बांग्लादेश में एक प्रतिबंधित संगठन है। संसद में गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने इस विधेयक को पेश किया। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर आवामी लीग का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा कि यह कानून एक ऐसी संस्था को प्रतिबंधित करने के लिए है जो 'नरसंहार और आतंकी गतिविधियों' में शामिल रही है। यह नया कानून पिछले 'आतंकवाद विरोधी अधिनियम' में संशोधन है, जिसे पहले मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने एक अध्यादेश के जरिए लागू किया था। इस कानून के लागू होने के बाद अब आवामी लीग का चुनाव आयोग में पंजीकरण स्थायी रूप से रद्द रहेगा। पार्टी न तो चुनाव लड़ सकेगी और न ही किसी तरह की राजनीतिक गतिविधि कर पाएगी। कानून में यह भी प्रावधान है कि सोशल मीडिया या मुख्यधारा की मीडिया में पार्टी के समर्थन में कोई भी बयान प्रकाशित करना अपराध माना जाएगा। यहां तक कि पार्टी के समर्थन में जुलूस निकालना या भाषण देना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है। दिलचस्प बात यह है कि इस विधेयक का विरोध केवल बाहर से नहीं, बल्कि संसद के भीतर से भी हुआ है। मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने बिल की समीक्षा के लिए और समय मांगा। वहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के मानवाधिकार अधिकारियों ने इस कदम की आलोचना की है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी बड़ी राजनीतिक पार्टी पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाना लोकतंत्र के स्वस्थ भविष्य के लिए ठीक नहीं है। संवैधानिक विशेषज्ञ स्वाधीन मलिक ने कहा कि दुनिया के इतिहास में बांग्लादेश दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने अपनी आजादी की लड़ाई का नेतृत्व करने वाली पार्टी को ही बैन कर दिया है।

ट्रंप को पसंद नहीं आया 10 शर्तों वाला पीस प्लान, टूट जाएगा सीजफायर?

वाशिंगटन, एजेंसी। ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुआ दो हफ्तों का युद्धविराम अब अनिश्चितता के दौर में पहुंचता नजर आ रहा है। लेबनान पर लगातार हो रहे इजरायली हमलों के कारण तनाव बढ़ गया है। ईरान लगातार चेतावनी दे रहा है कि यदि ये हमले नहीं रुके तो वह सीजफायर से पीछे हट सकता है। इसी बीच, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने ईरान के कथित 10 सूत्रीय प्रस्ताव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह खारिज कर दिया था और इसे 'कूड़ेदान में फेंक दिया गया।' ईरान ने पहले दावा किया था कि उसका 10-पॉइंट प्रस्ताव अमेरिका को स्वीकार्य था, लेकिन लेविट ने इसे गलत बताया। उनके अनुसार, यह प्रस्ताव 'गैर-गंभीर' था और अमेरिकी नेतृत्व ने इसे बातचीत के लायक नहीं माना। हालांकि, बाद में ईरान की ओर से एक संशोधित योजना पेश की गई, जिसे अमेरिका ने अपने 15 सूत्रीय प्रस्ताव के साथ जोड़कर बातचीत के आधार के रूप में देखने की बात कही है। लेविट ने यह भी दोहराया कि ट्रंप प्रशासन की 'रेड लाइन' साफ है ईरान के भीतर यूरेनियम संवर्धन (एनरिचमेंट) को पूरी तरह समाप्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ईरान की 'विश लिस्ट' को किसी समझौते के रूप में स्वीकार करना संभव नहीं है। ईरान के 10 सूत्रीय प्रस्ताव में कई बड़ी मांगें शामिल थीं, जैसे उस पर किसी भी तरह का हमला न होना, होर्मुज जलडमरूमध्य पर उसका नियंत्रण बनाए रखना, यूरेनियम संवर्धन जारी रखने की अनुमति, सभी प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों को हटाना, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को समाप्त करना, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रस्तावों को खत्म करना, मुआवजा देना और क्षेत्र से अमेरिकी सैनिकों की वापसी। इसके अलावा, लेबनान सहित सभी मोर्चों पर युद्ध समाप्त करने की भी मांग की गई थी।

पाकिस्तान की बड़ी फजीहत; ट्रंप की टीम ने देखा था शहबाज का ट्वीट, फिर दी पोस्ट करने की इजाजत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-ईरान संघर्ष में पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता की पूरी कहानी एक सोशल मीडिया गलती के कारण खुलकर सामने आ गई है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक्स पर युद्धविराम की अपील वाला पोस्ट डाला था, लेकिन उसमें ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स लिखा हुआ छूट गया। बाद में इसे एडिट कर हटा दिया गया, लेकिन स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कहा जा रहा है कि पाक पीएम ने ये पोस्ट अमेरिका के कहने पर पोस्ट की थी। अब खुद अमेरिकी मीडिया भी इस पर मुहर लगाती नजर आ रही है।

वाइट हाउस ने देखा था ट्वीट : न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, वाइट हाउस ने इस पोस्ट को एक्स पर शेयर किए जाने से पहले ही देख लिया था और अपनी मंजूरी भी दे दी थी। यह खुलासा दर्शाता है कि पाकिस्तान की स्वतंत्र कूटनीतिक पहल असल में अमेरिका की तैयार की गई स्क्रिप्ट थी।

दरअसल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अल्टीमेटम दिया था कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोलो, वरना अमेरिका ईरान के बुनियादी ढांचे और सभ्यता को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने 7 अप्रैल (मंगलवार) को शाम 8 बजे (वाशिंगटन समय) तक की डेडलाइन दी थी। इसी बीच पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने पिछले कई हफ्तों से अमेरिका और ईरान के बीच गुप्त संपर्क साधे हुए थे। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, वाइट हाउस ने पाकिस्तान को इस अस्थायी युद्धविराम को फाइनल कराने के लिए दबाव डाला था, ताकि ट्रंप सार्वजनिक रूप से धमकियां देते हुए भी पीछे हट सकें।

इसके बाद 8 अप्रैल को सुबह शहबाज शरीफ ने अपने आधिकारिक हैंडल से पोस्ट किया कि अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का सीजफायर हो गया है। पोस्ट में ट्रंप, जेडी वेंस, ईरानी नेताओं और अन्य को टैग किया गया था। लेकिन असली पोस्ट के ऊपर 'ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' लिखा हुआ था, जो एडिट हिस्ट्री में साफ दिखाई दिया। शरीफ के स्टाफ ने इसे कॉपी-पेस्ट कर दिया और हटाना भूल गए। पाकिस्तानी अधिकारियों को खुद प्रधानमंत्री को 'पाकिस्तान पीएम' कहकर संबोधित करने की जरूरत नहीं होती- यह शब्द अमेरिकी या इजरायली ड्राफ्ट का संकेत था।

पर्दे के पीछे की कहानी : न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि वाइट हाउस ने इस स्टेटमेंट को पहले ही देख लिया था और मंजूरी दे दी थी। यानी पाकिस्तान की अपील असल में पहले से कोऑर्डिनेटेड थी। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के बाद ईरान पर बमबारी दो हफ्ते के लिए रोकने का फैसला किया है। कुछ घंटों बाद शहबाज शरीफ ने दूसरा पोस्ट डालकर युद्धविराम की घोषणा का स्वागत किया।

पोस्ट के ड्राफ्ट वाले स्क्रीनशॉट वायरल हो गए। कई यूजर्स ने मजाक उड़ाया। लोग इसे कॉपी-पेस्ट पीएम, व्हाइट हाउस ने स्क्रिप्ट लिखी आदि कह रहे हैं। अमेरिकी पत्रकार रयान ग्रिम ने लिखा- शरीफ ने जो भेजा गया था, उसे कॉपी-पेस्ट कर दिया, जिसमें 'ड्राफ्ट पाकिस्तान पीएम मेसेज आन एक्स' भी शामिल था। उनके अपने स्टाफ तो उन्हें ऐसे नहीं बुलाते।

होर्मुज में बारूदी माइन्स का खौफ! ईरान ने बदले जहाजों के रास्ते, नया रूट भी बता दिया

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के समुद्री रास्ते से होकर गुजरने वाले जहाजों के लिए नए वैकल्पिक मार्गों की घोषणा की है। ईरान ने इस अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग के मुख्य क्षेत्र में समुद्री बारूदी माइन्स के खतरे का हवाला देते हुए यह कदम उठाया है। यह घोषणा अमेरिका और ईरान के बीच हुए एक हालिया समझौते के बाद हुई है, जिसके तहत तेहरान ने दुनिया के सबसे व्यस्त तेल व्यापार मार्गों में से एक को अस्थायी रूप से खोलने पर सहमति जताई है।

अस्थायी युद्धविराम और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का खुलना : अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति बनी है। इसके तहत ईरान स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को अस्थायी रूप से फिर से खोलने के लिए राजी हो गया है। गौरतलब है कि दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाले कच्चे तेल का लगभग पांचवां हिस्सा (20%) इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है।

रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का बयान : ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने स्थानीय मीडिया के हवाले से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा- स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते से गुजरने वाले सभी जहाजों को सूचित किया जाता है कि समुद्री सुरक्षा के सिद्धांतों का पालन करने और समुद्री माइन्स से संभावित टकराव से बचने के लिए... उन्हें यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने चाहिए। बयान के साथ ही इस जलमार्ग में प्रवेश करने और बाहर निकलने के लिए नए मार्गों के स्पष्ट निर्देश भी शेयर किए गए हैं।

अमेरिका और ईरान के बीच यह दो सप्ताह का संघर्ष विराम मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को हुआ। यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दी गई समय सीमा खत्म होने से एक घंटे से भी कम समय पहले हुआ था। ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि ईरान जलमार्ग खोलने की उनकी मांगों के सामने नहीं झुकता है, तो वे इस्लामिक गणराज्य को पूरी तरह से 'तबाह' कर देंगे।

ईरान (तेहरान) ने मार्च की शुरुआत से ही इस प्रमुख शिपिंग मार्ग को प्रभावी रूप से ब्लॉक कर रखा था। इसके परिणामस्वरूप वैश्विक ऊर्जा बाजार में भारी उथल-पुथल मच गई थी और कच्चे तेल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिली थी। इस दो सप्ताह के युद्धविराम और वैकल्पिक मार्गों की शुरुआत से अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति और वैश्विक बाजारों को फौरी तौर पर कुछ राहत मिलने की उम्मीद है, हालांकि बारूदी सुरंगों के खतरे के कारण स्थिति अभी भी तनावपूर्ण बनी हुई है। समुद्री बारूदी माइन्स को नेवल माइन्स, सी माइन्स या नौसैनिक सुरंगें भी कहा जाता है।

पूर्व पीएम केपी ओली के बाद देउबा पर भी बालेन सरकार ने कसा शिकंजा, मनी लॉन्ड्रिंग मामले में वारंट जारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की राजनीति में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी वारंट जारी होने से सियासी माहौल गरमा गया है। इससे पहले केपी शर्मा ओली पर भी कार्रवाई की जा चुकी है, जिससे साफ है कि नई सरकार भ्रष्टाचार के मामलों में सख्ती दिखा रही है।

इस पूरे मामले में काठमांडू जिला अदालत ने जांच एजेंसी की मांग पर यह वारंट जारी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फैसला जज महेंद्र खड़का की पीठ की मंजूरी के बाद लिया गया। जांच एजेंसी लंबे समय से देउबा, उनकी पत्नी और अन्य नेताओं पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों की जांच कर रही थी। बताया जा रहा है कि पिछले साल सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान कई नेताओं के घरों से जली हुई नकदी की तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इनमें देउबा के घर से जुड़े दृश्य भी थे। फॉरेंसिक जांच में इन नोटों के असली होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद मामला गंभीर हो गया और व्यापक जांच शुरू की गई। जानकारी के अनुसार, देउबा और उनकी पत्नी इस समय नेपाल में नहीं हैं। दोनों 26 फरवरी को इलाज के लिए सिंगापुर गए थे और उसके बाद हांगकांग भी पहुंचे। अभी तक उनकी वापसी नहीं हुई है, जिससे जांच एजेंसियों की कार्रवाई और तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, गिरफ्तारी वारंट जारी करने का मकसद इंटरपोल रेड नोटिस जारी कराने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। इससे विदेश में मौजूद आरोपियों को हिरासत में लेकर नेपाल लाया जा सकता है। पांच मार्च को हुए चुनाव के बाद नेपाल की राजनीति में बड़ा बदलाव आया है। नई सरकार बनने के बाद भ्रष्टाचार के मामलों में तेजी से कार्रवाई शुरू हुई है। यही वजह है कि अब देउबा और अन्य नेताओं के खिलाफ जांच का दायरा बढ़ाया गया है। देउबा पांच बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं और 1991 से लगातार राजनीति में सक्रिय रहे हैं। हालांकि हालिया घटनाक्रम और जांच के चलते उनका राजनीतिक भविष्य संकट में नजर आ रहा है। नई सरकार के सख्त रुख के कारण उनके लिए स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

'पूर्ण समझौते तक अमेरिकी सेना ईरान में रहेगी', ट्रंप का अल्टीमेटम; लेबनान पर फिर बरसे बम

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप ने कहा इसमें अमेरिकी जहाज, विमान और सैनिक शामिल होंगे, साथ ही अतिरिक्त गोला-बारूद, हथियार और वह सब कुछ जो दुश्मन के कमजोर किए गए ढांचे को पूरी तरह नष्ट करने के लिए जरूरी हो। राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि समझौते का पालन किसी भी कारण से नहीं हुआ, तो कार्रवाई बड़ी, मजबूत और ऐसी होगी जो किसी ने पहले कभी नहीं देखी। ट्रंप ने आगे कहा यह लंबे समय पहले तय हुआ था और सभी झूठी बातें और बयानबाजी के बावजूद कोई परमाणु हथियार नहीं होंगे और होर्मुज जलडमरूमध्य पूरी तरह सुरक्षित और खुला रहेगा।

लेबनान से दागे गए रॉकेट को इस्त्राइल ने किया निष्क्रिय : इस्त्राइली सेना ने जानकारी दी है कि लेबनान की ओर से उत्तरी इस्त्राइल की दिशा में दागे गए एक रॉकेट को सफलतापूर्वक हवा में ही रोक दिया गया। इस हमले के बाद गलील क्षेत्र में हवाई हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बज उठे, जिससे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब इस्त्राइल ने हाल ही में लेबनान पर अब तक के सबसे बड़े हमलों में से एक को अंजाम दिया है। इन हमलों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हुए हैं।

इस्त्राइल ने फिर दक्षिण लेबनान पर बरसाए बम : इस्त्राइली सेना ने एक बार फिर बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर हमला किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला शहर के दक्षिणी उपनगरों में किया गया। इसके अलावा इस्त्राइल ने दक्षिणी लेबनान के कई कस्बों सफाद अल-बत्तिख, माजदल सेलेम, चाकरा और खेरबेत सेलेम पर भी बमबारी की है। हालांकि अभी हमलों में हुए नुकसान और हताहतों की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। स्थिति को लेकर लगातार अपडेट का इंतजार किया जा रहा है। होर्मुज पर ईरान का बड़ा फैसला, जहाजों के लिए नए रास्ते तय ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की नौसेना ने होर्मुज में जहाजों की आवाजाही के लिए नए वैकल्पिक रास्तों का एलान किया है। यह कदम समुद्र में संभावित बारूदी सुरंगों (माइंस) से जहाजों को सुरक्षित रखने के लिए उठाया गया है। ईरान की सरकारी मीडिया के मुताबिक, आईआरजीसी नौसेना ने सभी जहाजों को निर्देश दिया है कि वे इन तय मार्गों का पालन करें और उनकी निगरानी में ही गुजरें। नेतन्याहू बोले- ईरान कमजोर, इस्त्राइल मजबूत; जीत अब तक की शानदार इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ट्वीट कर कहा कि इस्त्राइल ने अब तक की लड़ाई में शानदार जीत हासिल की है, जो पहले असंभव लगती थी। उनका कहना है कि अब ईरान पहले से कमजोर और इस्त्राइल पहले से मजबूत है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच युद्धविराम वार्ता बेनतीजा, चीन की कोशिश हुई बेकार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी जंगी हालात पर चीन में हुई वार्ता के दौरान पाकिस्तानी हुक्मरान स्थायी युद्धविराम तक नहीं पहुंच पाए हैं। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वार्ता बिना ठोस नतीजे के खत्म हो गई। डॉन ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इस बैठक में अफगानिस्तान ने लगातार पाकिस्तान पर तालिबान के मुद्दे को लेकर आंखें दिखाई और तालिबान के कुछ सवालों ने पाकिस्तानी अफसरों की परेशानी बढ़ा दी। दोनों पक्षों में समझौता नहीं हो पाया।

बीबीसी पश्तो ने भी कहा है कि चीन में हुई बैठक में तालिबान ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए आतंकवाद की परिभाषा स्पष्ट करने के लिए कहा। इसके अलावा तालिबान ने डूरंड लाइन (सीमा रेखा) को मान्यता नहीं देने की बात भी कही। तालिबान ने यह भी कहा कि अस्थाई युद्धविराम के बावजूद पाकिस्तानी सेना उसके क्षेत्र में हमले कर रही है। यद्यपि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी ने कहा कि वार्ता उपयोगी रही लेकिन इसमें कोई सफलता किसी के हाथ नहीं लगी है। एजेंसी

मुत्ताकी का सख्त रवैया : चीन के अफसरों के सामने ही अफगानिस्तान के प्रतिनिधि अमीर खान मुत्ताकी ने सख्त रवैया अपनाया और पाकिस्तान को इस छह दिनी बैठक में दोटूक कह दिया कि हमारी कोशिश जंग को खत्म करने की रहेगी, लेकिन यह सब पाकिस्तान पर निर्भर करेगा।

समझौते में छह देश शामिल : पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच समझौता कराने में पाकिस्तान समेत छह देश शामिल हैं। इनमें चीन, तुर्किये, पाकिस्तान, यूएई, सऊदी अरब और कतर शामिल हैं। चीन इस शांति वार्ता का नेतृत्वकर्ता है। पाकिस्तान का कहना है कि जब तक टीटीपी को अफगानिस्तान से खत्म नहीं किया जाएगा, तब तक बात नहीं बन सकती है। दूसरी तरफ अफगानिस्तान ने टीटीपी को पाकिस्तान की समस्या बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, बैठक में पाकिस्तान ने टीटीपी को लेकर अफगानिस्तान पर हमला किया। पाकिस्तान का कहना था कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) नामक आतंकी गुट को काबुल में पनाह दी जाती रही है। इसे तालिबान ने सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि आतंकवाद पाकिस्तान की घरेलू समस्या है। उसने पूछा, पहले यह बताए कि आतंक की परिभाषा क्या है? इसके बाद डूरंड लाइन पर पाकिस्तान को अफगानिस्तान ने खरी-खोटी सुनाई। छह दिन तक चली इस समझौता वार्ता में दोनो ही पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप किए।

फिर चलेंगी मिसाइलें, पाकिस्तान का कराया सीजफायर टूटने की कगार पर? ईरान ने दे दी धमकी

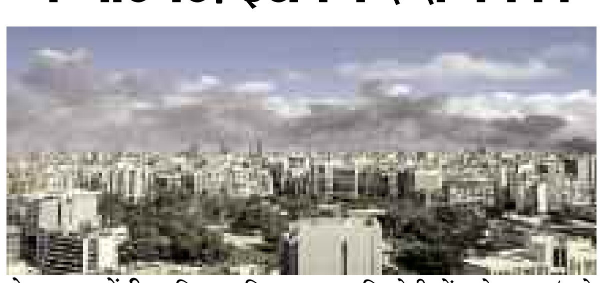

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में हुए सीजफायर पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। खबर है कि ईरान की तरफ से इजरायल को धमकी दी गई है। तेल अवीव को उड़ाने की धमकियां लेबनान में हुए हमले के जवाब में दी गई हैं। खास बात है कि मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा था कि सीजफायर में लेबनान में शांति भी शामिल है। जबकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सार्वजनिक रूप से इससे इनकार कर दिया है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की तरफ से इजरायल को चेतावनी जारी की गई है। इसमें कहा गया है, 'अगर कुछ घंटों में दक्षिण लेबनान में फायरिंग नहीं रुकी, तो एयर और मिसाइल यूनिट तेल अवीव में हमला करेंगी...।'

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा था, 'मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है कि ईरान और अमेरिका, अपने सहयोगियों के साथ, लेबनान और अन्य सभी जगहों पर तुरंत युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह फैसला अभी इसी वक्त से प्रभावी है।'

ट्रंप और जेडी वेंस दोनों ने मना कर दिया : अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि कोई गलतफहमी हुई है। मुझे लगता है कि ईरानी यह मान रहे थे कि सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। जबकि, ऐसा नहीं है।' उन्होंने कहा कि अमेरिका का मत है कि सीजफायर ईरान और अमेरिका के सहयोगियों पर फोकस होगा। जिसमें इजरायल और अरब देश शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि लेबनान को युद्धविराम समझौते में 'हिज्बुल्लाह की वजह से' शामिल नहीं किया गया है। ट्रंप ने पीबीएस न्यूज आवर के साथ बातचीत में कहा, 'उन्हें समझौते में शामिल नहीं किया गया है। इसे भी ध्यान रखा जाएगा। सब ठीक है।' जब उनसे लेबनान में इजरायल की तरफ से लगातार हमले जारी रखने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'यह समझौते का हिस्सा है - यह तो सभी जानते हैं। यह एक अलग झड़प है।'

एक दिन में 182 की मौत : इजरायल ने बुधवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले कई आवासीय और वाणिज्यिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए जिसमें 182 लोगों की मौत हो गई। यह इजरायल-हिजबुल्ला युद्ध के दौरान एक दिन में हुई मौत की सर्वाधिक संख्या है।

अमेरिका में जाति विवाद गहराया: भारतीय और हिंदू समुदाय को निशाना बनाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव को लेकर विवाद एक बार फिर तेज हो गया है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कैलिफोर्निया की नागरिक अधिकार नियामक एजेंसी के खिलाफ नौवीं सर्किट अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। संगठन का आरोप है कि एजेंसी ने गलत तरीके से जाति को हिंदू धर्म से जोड़ते हुए भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों को निशाना बनाया है।

6 अप्रैल को दाखिल जवाबी याचिका में एचएएफ ने अदालत से अनुरोध किया है कि निचली अदालत द्वारा उसके मुकदमे को खारिज करने में जिन प्रक्रियात्मक बाधाओं का हवाला दिया गया था, उन्हें हटाया जाए। संगठन का कहना है कि जिला अदालत ने उसके दावों के मूल मुद्दों पर विचार किए बिना ही मामला खारिज कर दिया।

क्यों हो रहा यह विवाद : यह पूरा विवाद कैलिफोर्निया नागरिक अधिकार विभाग द्वारा सिस्को सिस्टम्स और उसके दो प्रबंधकों के खिलाफ दर्ज शिकायत से जुड़ा है। इस शिकायत में जाति के आधार पर भेदभाव के आरोप लगाए गए थे और यह कार्रवाई कैलिफोर्निया के फेयर एम्प्लॉयमेंट एंड हाउसिंग एक्ट के तहत की गई थी। सीआरडी ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि उसने सिस्को और उसके पूर्व प्रबंधकों के खिलाफ जाति-आधारित भेदभाव का मामला दर्ज किया है। एचएएफ का आरोप है कि सीआरडी ने अपनी कार्रवाई में जाति को हिंदू धर्म और भारतीय मूल के कर्मचारियों से जोड़ने की कोशिश की। संगठन के मुताबिक, एजेंसी की शिकायत में जाति शब्द का बार-बार इस्तेमाल किया गया और यह धारणा बनाई गई कि भारतीय कर्मचारियों के बीच जाति-आधारित भेदभाव होता है, जिसे कंपनी को रोकना चाहिए था। एजेंसी की कार्रवाई नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है

संगठन ने यह भी कहा कि एजेंसी की प्रस्तुति भारतीयों और हिंदुओं के बारे में नस्लवादी और तथ्यहीन धारणाओं पर आधारित है। एचएएफ ने सीआरडी के एक पुराने बयान का हवाला दिया, जिसमें भारत की जाति व्यवस्था को कठोर हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम बताया गया था। हालांकि, बाद में विभाग ने इस विवादित वाक्यांश को हटा दिया और मामले को अप्रासंगिक बताया, लेकिन संगठन का कहना है कि इससे मूल समस्या खत्म नहीं होती। फाउंडेशन का कहना है कि हिंदू सामाजिक और धार्मिक पदानुक्रम जैसे शब्द हटाने के बावजूद सीआरडी अब भी कंपनी के भारतीय, दक्षिण एशियाई और हिंदू कर्मचारियों पर जाति से जुड़ी नीतियां लागू करने की कोशिश कर रहा है। इस मामले का असर केवल एक केस तक सीमित नहीं एचएएफ की सीनियर लीगल डायरेक्टर निधि शाह ने चेतावनी दी कि इस मामले का असर सिर्फ एक केस तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिंदू अमेरिकी, भारतीय अमेरिकी और दक्षिण एशियाई अमेरिकी समुदाय इस मुद्दे को लेकर चिंतित हैं। शाह ने आरोप लगाया कि नागरिक अधिकार विभाग अपनी प्रवर्तन शक्तियों का इस्तेमाल उन्हीं अल्पसंख्यक समूहों को अलग करने के लिए कर रहा है, जिनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी उस पर है। उन्होंने कहा कि कैलिफोर्निया के लोग, नियोक्ता और कारोबारी इस पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एजेंसी जाति के आधार पर कार्रवाई करते हुए इसका दोष हिंदू धर्म पर डाल रही है और यह आशंका जताई कि भविष्य में और हिंदू संगठनों या व्यक्तियों को निशाना बनाया जा सकता है।

एक नजर

नगर पंचायत चमियाला में बनेगी वाहन पार्किंग,जाम से मिलेगा छुटकारा

नई टिहरी। नगर पंचायत चमियाला में वाहन पार्किंग निर्माण के लिए 1.67 करोड़ की धनराशि स्वीकृत हो गई है। बाजार में वाहन पार्किंग न होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। चारधाम यात्रा के दौरान वाहनों की आवाजाही बढ़ने से स्थिति और खराब हो जाती है। चमियाला बाजार क्षेत्र के थाती, बसार, आरगढ़, गोनगढ़ और केमर पट्टी के करीब 80 गांव का व्यावसायिक केंद्र है। बाजार में दिनभर खूब चहल–पहल रहती है लेकिन वाहन पार्किंग और बाजार से वाहनों को बाहर निकालने के लिए कोई बाइपास सड़क नहीं होने से बाजार में जाम लगता है। इससे व्यापारियों और पैदल आवाजाही करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। चमियाला बाजार की सड़क गंगोत्री और यमुनोत्री धामों को जोड़ती है। यात्रा सीजन के दौरान यात्री वाहनों की आवाजाही होने के कारण चमियाला में हर दिन घंटों तक पर्यटकों और स्थानीय लोगों को जाम के कारण जूझना पड़ता है। व्यापारी और स्थानीय लोग लंबे समय से चमियाला में वाहन पार्किंग के निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। नगर पंचायत बनने के बाद चमियाला बाजार का और विस्तार होने से वाहनों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। पार्किंग न होने से लोग सड़क के किनारे अपना वाहन खड़ा कर देते हैं। वाहन पार्किंग के लिए लंबे समय से जगह की तलाश भी की जा रही थी लेकिन उपयुक्त स्थान पर जगह न मिलने के कारण पार्किंग का निर्माण नहीं हो पाया। चमियाला नगर पंचायत अध्यक्ष गोविंद सिंह राणा ने कहा कि पूर्व के महिनों में टैक्सी स्टैंड के समीप ही पार्किंग के लिए भूमि चिन्हित की गई थी। पार्किंग बनने के बाद चमियाला बाजार को जाम से राहत मिलेगी।

बदरीनाथ में पेयजल योजनाओं की मरम्मत का काम शुरू

चमोली। मौसम सामान्य होने के बाद बदरीनाथ धाम में यात्रा तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। जल संस्थान ने पेयजल योजनाओं की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालयों का सुधारीकरण व रंग–रोगन का काम भी किया जा रहा है। शुक्रवार को जल संस्थान के अधीक्षण अभियंता सुशील कुमार सैनी ने पेयजल योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अवर अभियंता और एक सहायक अभियंता को पेयजल लाइनों को शीघ्र सुचारु करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ धाम परिसर के साथ ही होटलों में पानी की सप्लाई को यात्रा से पूर्व चालू किया जाना है। धाम में शुद्ध पेयजल के साथ ही यात्रियों के लिए वाटर एटीएम, आरओ प्लांट और सुदृढ़ सीवरेज सिस्टम पर काम किया जा रहा है।अधीक्षण अभियंता ने बताया कि धाम में पेयजल की किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

करण सिंह बने पीआरडी संगठन के जिलाध्यक्ष

चमोली। पीआरडी संगठन की शुक्रवार को नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान सर्वसम्मति से नंदानगर ब्लॉक कमांडर करण सिंह को जिलाध्यक्ष चुना गया। गोपेश्वर में आयोजित कार्यक्रम में संगठन के सभी पदों पर पदाधिकारियों का चयन किया गया। उपाध्यक्ष पद पर सरिता राय, सचिव पद पर सुनीता सती, सह सचिव विनोद लाल, कोषाध्यक्ष गोविंद आर्य, संगठन मंत्री जितेंद्र सिंह, मीडिया प्रभारी पंकज नेगी को बनाया गया। इसके अलावा सदस्य पद पर देवेंद्र सिंह, मदन खुराना, संगीता कपरवाण, सीमा गोस्वामी, गुड्डी रावत, सुंदर गड़िया, गोपाल, अमर राम, हर्षलाल को चुना गया।

कमेड़ा के पास हुई सड़क दुर्घटना

गौचर। चारधाम यात्रा के लिए प्रशासन की ओर से विशेष सतर्कता बरती जा रही है। शुक्रवार को आपदा प्रबंधन विभाग और स्थानीय प्रशासन ने कमेड़ा के निकट हुई सड़क दुर्घटना के घायलों के राहत, बचाव और उपचार की माकड्रिल की गई। जिला कंट्रोल रूम को कमेड़ा में बस दुर्घटना होने की सूचना मिली। इस पर प्रशासन ने तुरंत राहत बचाव टीमों को मौके पर रवाना किया। पुलिस, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और आईटीबीपी के जवानों ने मौके पर पहुंचकर सड़क दुर्घटना में घायल सभी 21 यात्रियों को खाई से निकालकर एंबुलेंस पहुंचाया। जहां समय पर उपचार मिलने से सभी यात्रियों की जान बचा ली गई। एसडीएम सोहन सिंह रांगड़ के नेतृत्व में माक ड्रिल हुई।

भिक्षावृत्ति व मानव तस्करी को रोकने को उठाएं सख्त कदम: एसपी

उत्तरकाशी। आगामी चारधाम यात्रा को देखते हुए जनपद में बाल श्रम, भिक्षावृत्ति व मानव तस्करी जैसी गंभीर सामाजिक समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कमलेश उपाध्याय की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के साथ एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में तय किया गया कि बाल श्रम और भिक्षावृत्ति में लिप्त पाए जाने वाले मामलों में त्वरित रेस्क्यू और पुनर्वास की प्रक्रिया को मजबूत किया जाएगा। बैठक में चारधाम यात्रा के दौरान बढ़ने वाली भीड़ और बाहरी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया गया। एसपी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा मार्गों, पड़ावों, होटलों, ढाबों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों का अनिवार्य सत्यापन करें। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि सुरक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी का भी बड़ा दायित्व है, इसलिए सभी संबंधित विभागों को मिलकर सतर्क निगरानी व्यवस्था लागू करनी होगी। इस दौरान मानव तस्करी की रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने, स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ाने और सूचना तंत्र को सक्रिय करने पर भी सहमति बनी।

चारधाम यात्रा के दृष्टिगत चमोली में आयोजित हुई मॉक ड्रिल

बदरीनाथ धाम के साथ ही 7 स्थानों पर किया गया राहत व बचाव कार्य का अभ्यास

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : चार धाम यात्रा की तैयारियों के दृष्टिगत शुक्रवार को चमोली जनपद में बदरीनाथ धाम सहित यात्रा मार्ग और यात्रा पड़ावों आपदा राहत व बचाव की मॉक ड्रील आयोजित की गई। जिलाधिकारी गौरव कुमार के निर्देशन में आयोजित मॉक ड्रिल में आपदा प्रबंधन विभाग, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, अग्नि शमन के साथ ही सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारियों ने राहत व बचाव का अभ्यास किया।

चमोली जिले में आपदा की मॉक ड्रिल बदरीनाथ मंदिर परिसर, बदरीनाथ पुल, बदरीनाथ-गोविंदघाट मध्य, गोविंदघाट-ज्योतिर्मठ के मध्य, जीएमवीएन ज्योतिर्मठ और कमेड़ा में की गई। जनपद में भूकम्प, बर्फबारी, भारी बारिश, आग, सड़क अवरुद्ध और बस दुर्घटना की परिस्थितियों को लेकर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। बदरीनाथ धाम में इस दौरान दो भवनों के क्षतिग्रस्त होने से 2 घायलों के सुरक्षित रेसक्यू करने का अभ्यास किया गया। बदरीनाथ पुल पर रैलिंग क्षतिग्रस्त होने से हुई घटना के 2 घायलों का रेस्क्यू और हैली एम्बुलेंस से हायर सेंटर रैफर, बदरीनाथ-गोविंदघाट के मध्य बर्फबारी से हाईवे अवरुद्ध होने पर वाहनों में फंसे तीर्थयात्रियों तक राहत सामग्री पहुंचाने, गोविंदघाट ज्योतिर्मठ के मध्य टैय्या पुल पर पहाड़ी से आये मलबे में दबे लोगों के रेस्क्यू और हाईवे सुधारीकरण, जीएमवीएन ज्योतिर्मठ में आग लगने की स्थित में 4 लोगों को रेस्क्यू करने, पागलनाल में हाईवे को सुचारु करने और कमेड़ा में बस दुर्घटना की स्थिति में रेस्क्यू अभियान का अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के दौरान जिलाधिकारी के साथ ही पुलिस अधीक्षक सुरजीत पंवार और मुख्य विकास अधिकारी डा. अभिषेक त्रिपाठी आपदा प्रबंधन कार्यालय में बनाए गए कंट्रोल रुम से राहत व बचाव कार्य की मॉनिटरिंग करते रहे। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी कंट्रोल रुम में मौजूद थे। जबकि सभी संबंधित तहसील के अधिकारी व कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद रहे।

चोरी का आरोप झेल रहे युवती और युवक दोषमुक्त

नई टिहरी। चोरी का आरोप झेल रहे एक युवती और युवक को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज सीडि की अदालत ने दोष मुक्त कर दिया है। दिखोलगांव निवासी एक व्यक्ति के घर में चोरी की तहरीर मिलने पुलिस ने दोनों को दिसंबर 2023 को गिरफ्तार किया था। वादी मुकदमा राजपाल सिंह ने 29 अगस्त 2023 को चंबा पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह 28 अगस्त 2023 की सुबह काम पर चले गए थे जबकि उसकी पत्नी अपने मायके और बच्चे स्कूल गए थे। दोपहर के समय जब बच्चे स्कूल से घर पहुंचे तो घर के ताले टूटे हुए थे। बच्चों से मिली सूचना के बाद जब वादी की पत्नी घर पहुंची तो उन्हें पता चला कि घर में रखे सभी जेवर और कुछ नकदी चोरी हो गए। उन्होंने चोरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर चोरी किए गए जेवर और नकदी वापस दिलाने की गुहार लगाई। तहरीर के आधार पर चंबा पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की।

साप्ताहिक परेड में जवानों ने फिटनेस और अनुशासन का किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा। पुलिस लाइन में आयोजित साप्ताहिक परेड के दौरान जवानों ने अनुशासन, एकरूपता और शारीरिक दक्षता का प्रदर्शन किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने परेड का निरीक्षण कर जवानों को फिटनेस बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। परेड की शुरुआत निरीक्षण से हुई, जिसके बाद एसएसपी ने स्वयं जवानों के साथ दौड़ लगाकर उन्हें शारीरिक रूप से फिट रहने के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान दौड़, तेज चाल, सलामी, ड्रिल और शस्त्राभ्यास सहित विभिन्न अभ्यास कराए गए। परेड में जवानों को शस्त्र संचालन का प्रशिक्षण भी दिया गया, जिसमें हथियारों को खोलने–जोड़ने, सुरक्षित उपयोग और तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। परेड के बाद एसएसपी ने पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। इस अवसर पर बलवंत सिंह रावत, राजीव कुमार टम्टा, नरेंद्र सिंह कुंवर, रमेश चंद्र, योगेश चंद्र उपाध्याय, जानकी भंडारी, अशोक कुमार धनकड़, हयात सिंह, देवेंद्र सिंह नेगी, सुनील सिंह बिष्ट, प्रमोद पाठक, राजेंद्र प्रसाद, हीरा सिंह, मोहित कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारी और रिक्रूट आरक्षी मौजूद रहे।

मां कुर्मासनी मंदिर क्षेत्र को विकसित करने की मांग

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक के ग्राम सभा क्वीलाखाल के डिंडा क्षेत्र में स्थित मां कुर्मासनी का प्राचीन मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मगर यह क्षेत्र विकास से दूर है। ग्राम प्रधान दीप प्रकाश भट्ट ने कहा कि क्षेत्र से हिमालय की चोटियां, चौखंबा, त्रिशूल, नंदा देवी, नील पर्वत और बंदरपूं का दृश्य दिखता है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने पर्यटन विभाग की टीम को 15 दिनों में क्षेत्र का निरीक्षण करने के लिए कहा था मगर विभाग के अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने पर्यटन विभाग से शीघ्र स्थल निरीक्षण कर इस क्षेत्र को पर्यटन के रूप में विकसित करने की मांग की।

बदरीनाथ हाईवे पर गिरा बोल्डर, फंसे रहे लोग

चमोली। बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग टैय्या पुल के पास बोल्डर गिरने से करीब 11 घंटे तक बाधित रहा। हाईवे बंद होने से दोनों ओर वाहनों की कतार लगी रही।

बृहस्पतिवार रात करीब 10 बजे टैय्या पुल के पास अचानक चट्टान से खिसककर बोल्डर बदरीनाथ हाईवे पर आ गिरे। इससे हाईवे बंद हो गया। मार्ग बंद होने से पांडुकेश्वर, गोविंदघाट, अरुड़ी, पटूड़ी गांव के ग्रामीणों की आजावाही थम गई। सूचना मिलने पर प्रशासन ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) को तुरंत हाईवे खोलने के निर्देश दिए। इसके बाद हाईवे खोलने का काम शुरू हुआ। बोल्डरों को तोड़ा गया और सुबह करीब नौ बजे हाईवे खुल गया। हाईवे खुला तो लोगों ने राहत की सांस ली और गंतव्य को रवाना हुए। वहीं एसडीएम चंद्रशेखर वशिष्ट ने बताया कि टैय्या पुल के पास रात करीब 10 बजे हाईवे बंद हो गया था। सुबह नौ बजे यहां आवाजाही सुचारु कर दी गई।

ऋषिकेश–गंगोत्री हाईवे पर हुई बस दुर्घटना में तीन घायल

नई टिहरी। ऋषिकेश–गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांडीखाल पुलिस चौकी क्षेत्र में डाबरी गांव के पास एक बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। घायलों को 108 सेवा से जिला अस्पताल बौराड़ी में भर्ती कराया गया है। वहीं, हाथ में अधिक चोट आने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद परिचालक को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है जबकि दो अन्य घायल खतरे से बाहर बताए गए हैं। दुर्घटना का कारण चालक को झपकी आना बताया गया है। शुक्रवार दोपहर को उत्तरकाशी से ऋषिकेश जा रही बस डाबरी के पास अनियंत्रित होकर सड़क से करीब पांच मीटर नीचे खेत में पलट कर एक पेड़ पर अटक गई जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। बस पलटते ही यात्रियों में चीख–पुकार मच गई। बस दुर्घटना की सूचना पर वहां मौजूद लोगों ने पुलिस और आपदा प्रबंधन टीम के सदस्यों के साथ फंसे यात्रियों को किसी तरह बाहर निकाला। कई लोगों को गैस कटर की मदद से सीटें काटकर सकुशल बाहर निकाला गया। बस में कुल 30 लोग सवार थे। उनमें से तीन लोग घायल हुए हैं। कोतवाली निरीक्षक ऐश्वर्यपाल ने बताया कि वाहन दुर्घटना में बस चालक धन सिंह (48) पुत्र बचन सिंह निवासी माल देवता देहरादून, परिचालक मनोज (35) पुत्र गोविंदराम निवासी ग्राम गैरसैण चमोली और सोनिया (25) पुत्री पुरण चंद निवासी 170 लेन नंबर–9 शिव नगर जम्मू को चोट आई हैं। कोतवाल ने बताया कि बस चालक को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। स्थानीय लोगों ने कहा कि बस सड़क के नीचे पलटकर एक पेड़ पर अटक गई, जिससे तीन लोगों को ही चोट आई है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि तीन घायलों को 108 की सेवा से जिला अस्पताल बौराड़ी पहुंचाया गया। जबकि अन्य यात्रियों को दूसरे वाहनों से गंतव्य को रवाना किया गया।

बड़कोट में दो जगह गुलदार दिखने से लोगों में दहशत

उत्तरकाशी। अपर यमुना वन प्रभाग क्षेत्र में एक बार फिर गुलदार की दस्तक से स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया है। बीते बृहस्पतिवार शाम को कृष्णा गांव के निकट और बड़कोट नगर के वार्ड सात रतन पैलेस के पास गुलदार दिखाई दिए। गुलदार दिखने पर वहां आसपास मौजूद लोगों ने जोर की आवाजें दी, जिससे वह भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गुरुवार शाम को कृष्णा गांव के निकट एक गुलदार दिखाई दिया। वहीं एक गुलदार शाम लगभग साढ़े सात बजे बड़कोट नगर के वार्ड सात में घूमता नजर आया। दो जगह गुलदार दिखने से लोगों में डर दिखाई दिया। इससे पहले भी कुछ महीने पूर्व बड़कोट में पुरानी तहसील के पास शाम के दौरान एक गुलदार मेडिकल स्टोर में घुस गया था, जिसे लोगों ने शटर बंद कर भीतर ही बंद लिया था। बाद में वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर गुलदार को सुरक्षित बाहर खदेड़ा था। अब एक बार फिर गुलदार की दस्तक से स्थानीय लोग दहशत में हैं।

साइबर अपराध से बचाव को जागरूकता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर ने कहा कि साइबर अपराध से बचाव के लिए आमजन का जागरूक होना आवश्यक है। हमें अधिक से अधिक लोगों को साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूक करना होगा। शुक्रवार को पुलिस की ओर से कौड़िया स्थित आर्मी कैंप में कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें सेना के जवानों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। एएसपी मनोज ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में लगातार बढ़ता साइबर अपराध एक चिंता का विषय है। पुलिस भी लगातार साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। कहा कि जागरूकता से ही हम साइबर अपराध जैसी घटनाओं से बच सकते हैं। किसी भी व्यक्ति को फोन पर अपने बैंक से सबंधित जानकारी न दें। किसी भी प्रकार की ठगी होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। कहा कि समाज को जागरूक करने के लिए हमें यह जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचानी चाहिए। साइबर सेल प्रभारी कमलेश शर्मा जवानों को डिजिटल अरेस्ट, फर्जी काल, फिशंग लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग कर ठगी के बारे में बताया। कहा कि साइबर अपराधी नए-नए तरीके से ठगी का प्रयास करते हैं। ऐसे में हमारा जागरूक होना आवश्यक है।

केदारनाथ धाम यात्रा 22 अप्रैल से

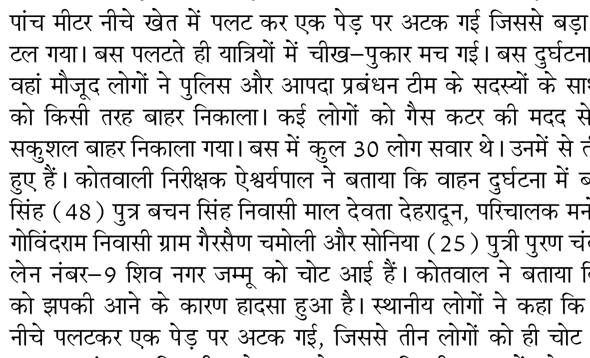

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी केदारनाथ धाम यात्रा 22 अप्रैल से प्रारंभ होने जा रही है। इस महत्वपूर्ण यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालु-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। इसी क्रम में जिलाधिकारी विशाल मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक नीहारिका तोमर ने शुक्रवार को पत्रकारों के साथ संवाद करते हुए यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी साझा की।जिलाधिकारी ने कहा कि केदारनाथ धाम यात्रा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है। सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है, ताकि यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने बताया कि संबंधित विभागों की टीमें लगातार फील्ड में रहकर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटी हैं और हर छोटी-बड़ी व्यवस्था की बारीकी से निगरानी की जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि अब तक कुल 4 लाख 73 हजार 168 श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम यात्रा के लिए पंजीकरण कराया है, जो पिछले वर्षों की तुलना में श्रद्धालुओं के बढ़ते उत्साह को दर्शाता है। यात्रियों की सुविधा के लिए सोनप्रयाग में पंजीकरण केंद्र को पूरी तरह तैयार कर लिया गया है, जहां सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से पंजीकरण की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। स्वच्छता को लेकर प्रशासन विशेष रूप से गंभीर है। जिलाधिकारी ने बताया कि यात्रा मार्ग पर निरंतर साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है। सुलभ संस्था के 245 पर्यावरण मित्रों को तैनात किया गया है, जबकि नगर पालिका एवं नगर पंचायतों के 200 से अधिक पर्यावरण मित्र भी इस कार्य में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। कूड़ा प्रबंधन, शौचालय व्यवस्था और स्वच्छ वातावरण बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी की जा रही है, जिससे श्रद्धालुओं को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण मिल सके।

हर हाल में यात्रा से पहले पूरी करें यमुनोत्री पैदल मार्ग पर व्यवस्थाएं : सीडीओ

उत्तरकाशी। यमुनोत्री धाम यात्रा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्य विकास अधिकारी जय भारत सिंह ने शुक्रवार को जानकीचट्टी से यमुनोत्री धाम तक छह किमी लंबे पैदल मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पेयजल, शौचालय, विद्युत आपूर्ति, रेन शेल्टर और रेलिंग की स्थिति का अवलोकन किया। विभागीय अधिकारियों ने जानकारी दी कि यात्रा पड़ावों पर संपर्क मार्ग, पंजीकरण केंद्र और अन्य जन–उपयोगी कार्यों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सीडीओ ने निर्देश दिए कि सभी शेष कार्य कपाट खुलने से पूर्व हर हाल में पूर्ण किए जाएं। निरीक्षण के दौरान यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल भी मौजूद रहे। सीडीओ ने स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए सुलभ इंटरनेशनल और जिला पंचायत को यात्रा मार्ग एवं शौचालयों में साफ–सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई–टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आमंत्रित किये जाते हैं जो उसी दिन **16:00 बजे** तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	03-DRM-MB-26-27 09.04.2026
कार्य का नाम	Provision of jacketing in underpass 1269A in RK yard and improvement of drainage in TSS/RK and surrounding areas of underpass 1269A/1269B to prevent water logging issue in monsoon season in the section of SSE/W/RK under ADEN/RK in the jurisdiction of Sr.DEN/I/MB
निविदा का प्रकार	Works
निविदा की कीमत	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	4,57,26,835.54
धरोहर राशि (रु.)	9,14,500.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	04.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	20.04.2026
आफर की वैधता	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months

सं.: 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक: 10.04.2026 1226/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

इंजीनियरों और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों के समर्थन में रखा उपवास

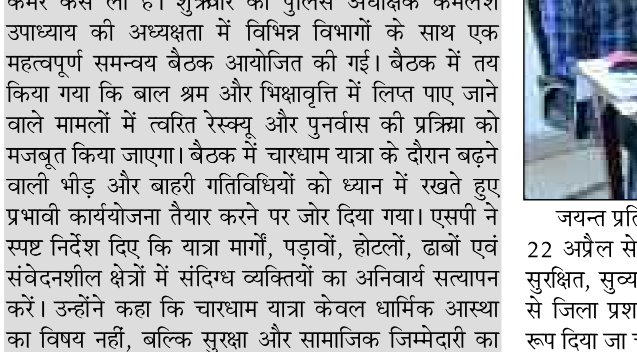

उत्तरकाशी। उत्तराखंड डिप्लोमा इंजीनियर्स और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हड़ताल को समर्थन देने के लिए यूकेडी नेता किरन रावत धरना स्थल पर पहुंची। उन्होंने उनकी जायज मांगों का समर्थन करते हुए एक दिवसीय उपवास रखा। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मचारियों के हितों और उनके अधिकार सुरक्षित रखने में नाकाम साबित हो रही है।

उत्तराखंड क्रांति दल की केंद्रीय महामंत्री किरन रावत ने शुक्रवार को विकास भवन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के धरना स्थल पर जाकर अपना समर्थन दिया और उपवास रखा। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि जो मानदेय उनको दिया जा रहा है वह बहुत ही कम है। उत्तराखंड में लागू न्यूनतम मानदेय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को दिया जाना चाहिए ' इसके बाद वह संघ भवन लोनिवि उत्तरकाशी में चल रहे धरना स्थल पर जाकर उनकी मांगों का पुरजोर समर्थन किया। कहा कि इंजीनियरों की हड़ताल से विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। इंजीनयिरों की मांगें पूरी तरह से जायज हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि कर्मचारियों की मांगों के लिए हर स्तर पर लड़ाई लड़ी जाएगी। समर्थन देने वालों में जिला उपाध्यक्ष जगत रमोला, पूर्व जिला अध्यक्ष विक्रम नेगी, उपेंद्र राणा, पंकज उनियाल, कृष्णानंद बडोनी, अरविंद बुटोला आदि उपस्थित

यमुनोत्री हाईवे पर डीजल की कमी से थमी मशीनें

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा से शुरू होने से पहले यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर डीजल और रसोई गैस की किल्लत ने सभी की चिंता बढ़ा दी है। यमुनोत्री हाईवे चौड़ीकरण कार्य में लगी निर्माण कार्य एजेंसियों को आवश्यकता के अनुरूप डीजल नहीं मिल पा रहा है जिससे मशीनें थम गई हैं। वहीं, कार्यस्थलों पर रह रहे मजदूरों को खाना बनाने के लिए गैस सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। इस समस्या के चलते कई मजदूर काम छोड़कर अपने घरों को चले गए हैं। जनपद में ईंधन संकट के चलते जहां चारधाम ऑलवेदर सड़क परियोजना सहित अन्य विकास के निर्माण कार्य प्रभावित होने से रफ्तार काफी धीमी हो गई है।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-पौड़ी।

Ph. 0138-222282 Email:eerespauri@gmail.com

पत्रांक 40/दो-लेखा/ग्रा0नि0वि0/2026-27 दिनांक 09/04/2026

अल्पकालीन कोटेशन सूचना

टैक्सी वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय को शासकीय कार्यों के सम्पादन/निरीक्षण हेतु एक डीजल चलित बुलेरो वाहन/बुलेरो नीयो White किराये पर रखने की आवश्यकता है। इस हेतु मुहरबन्द कोटेशन आमन्त्रित किये जाते है।

इच्छुक वाहन स्वामी मासिक किराये की दरों वाहन चालक सहित/बिना वाहन चालक (पृथक-पृथक) व अन्य वांछित दस्तावेजों सहित अपना कोटेशन इस कार्यालय में दिनांक 24.04.2026 को 01.00 बजे अपराह्न तक बंद लिफाफे में किसी भी कार्य दिवस में उपलब्ध करा सकते है। विलम्ब से प्राप्त कोटेशन पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा। उक्त से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी एवं विभागीय शर्तें आदि किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रा0नि0वि0, प्रखण्ड-पौड़ी।

(0106/59)

आईपीएल में आज सीएसके पर जीत के इरादे से उतरेगी कैपिटल्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को होने वाले दूसरे मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का मुकाबला दिल्ली कैपिटल्स से होगा। इस मैच में सीएसके के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ अपने घरेलू मैदान पर टीम को जीत दिलाना चाहेंगे। अब तक सीएसके ने इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीता है। उसके गेंदबाजों और बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे टीम मुश्किल में है। इस मैच में उसके पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने की संभावना है। अगर धोनी खेलते हैं तो ये सीएसके के लिए काफी फायदेमंद होगा। वहीं दूसरी ओर अक्षर पटेल की कप्तानी में उतर रही दिल्ली कैपिटल का प्रदर्शन सीएसके से अच्छा रहा है। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं।

सीएसके के लिए इस सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। टीम अपने शुरुआती मैच में आरसीबी और पंजाब किंग्स से हारी है। टीम की बल्लेबाजी ही नहीं गेंदबाजी भी कमजोर रही है। वहीं कैपिटल्स ने सत्र की शुरुआत बेहतर तरीके से की है। उसने अपने पहले तीन मैचों में से 2 में जीत हासिल की है। उसे लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत मिली जबकि गुजरात टाइटन्स से उसे केवल एक रन से ही हार मिली।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो ही टीमों के बीच अबतक हुए पिछले 31 के मुकाबलों में, दिल्ली ने 12 जीत दर्ज की हैं, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने 19 जीत हासिल की हैं।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- ऋतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, प्रशांत वीर, जेमी ओवरटन, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, खलील अहमद, मैट हेनरी

दिल्ली कैपिटल्स- अक्षर पटेल (कप्तान), पथुम निसांका, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश राणा, समीर रिजवी, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, विप्राज निगम, कुलदीप यादव, टी नटराजन, लुंगी एनगिडी

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में बदलाव , अंगकृश रघुवंशी और अजिंक्य रहाणे शीर्ष पांच में शामिल

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले हुए आईपीएल मुकाबले के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप और सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के दावेदारों में बदलाव आये हैं। अब राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी और मुम्बई के रोहित शर्मा शीर्ष पांच से बाहर हो गये हैं। वहीं, केकेआर के अंगकृश रघुवंशी और कप्तान अजिंक्य रहाणे अपनी अच्छी पारियों की बदौलत शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की दौड़ में लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव को लाभ हुआ है।

ऑरेंज कैप की सूची में में राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अभी तक खेले 3 मुकाबलों में 163.46 के स्ट्राइक रेट के साथ 170 रन बनाये हैं। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी और केकेआर के अंगकृश रघुवंशी दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं। शीर्ष पांच बल्लेबाजों में सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन और केकेआर के अजिंक्य रहाणे चौथे और पांचवे नंबर पर हैं।

पर्पल कैप की सूची में राजस्थान रॉयल्स के स्टार स्पिनर रवि बिश्नोई नंबर एक पर बने हुए हैं।उन्होंने इस लीग में अभी तक तीन मैचों में 7 विकेट लिए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान के साथ-साथ दिल्ली कैपिटल्स के लुंगी एनगिडी और राजस्थान रॉयल्स के नंद्रे बर्गर शीर्ष-5 में शामिल हैं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव 5 विकेट के साथ 7वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं केकेआर के वैभव अरोड़ा 9वें पायदान पर हैं।

थर्ड अंपायर के पास जाना चाहिए था फैसला, रोवमन पॉवेल ने दिग्वेश राठी के कैच पर उठाए सवाल

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच ईडन गार्डेन्स में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया जिसे एलएसजी ने मुकुल चौधरी की विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर 3 विकेट से जीता। केकेआर की पारी के दौरान सलामी बल्लेबाज फिन एलन का कैच एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी ने पकड़ा था जिस पर विवाद हुआ था। मैच के बाद रोवमन पॉवेल ने कहा कि इसे तीसरे अंपायर को भेजा जाना चाहिए था।

रोवमैन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रिपोर्टर्स से कहा, 'यह उनकी तरफ से एक बड़ी गलती थी, लेकिन हम इस पर गौर नहीं करेंगे और यह नहीं कहेंगे कि आज रात हमें दो पॉइंट्स का नुकसान हुआ, लेकिन मैदान पर मौजूद अंपायरों को फैसला थर्ड अंपायर को भेजना चाहिए था।'

केकेआर की पारी का दूसरा ओवर प्रिंस यादव कर रहे थे। ओवर की चौथी गेंद प्रिंस ने बैक-ऑफ-ए-लेंथ डिलीवरी फेंकी, और फिन एलन ने उसे लाइन के पार मारा, लेकिन टॉप एज लग गया। बॉल थर्ड मैन पर खड़े दिग्वेश के पास गई। ऐसा लगा कि बॉल दूर तक जाएगी, लेकिन राठी ने खुद को बाउंड्री लाइन के किनारे पर संभाला और दोनों हाथों से कैच लेने के लिए अपनी बाईं ओर खड़े हो गए। राठी बाउंड्री लाइन के बहुत करीब थे, और अंपायर जो कुछ भी हुआ उससे खुश लग रहे थे। एलन को आउट दिया गया। फैसला थर्ड अंपायर को नहीं भेजा गया, और बाद में रिप्ले से पता चला कि राठी ने शायद कुशन पर पैर रख दिया था। हालांकि, रिप्ले से कुछ भी पक्का पता नहीं चल सका।

आईपीएल में आज होगा पंजाब और सनराइजर्स का मुकाबला

मुल्लांपुर (एजेंसी)। आईपीएल में शनिवार को को होने वाले पहले मुकाबले में पंजाब किंग्स का मुकाबला सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की पंजाब का लक्ष्य इस मैच में भी अपनी जीत का सिलसिला बनाये रखना रहेगा। पंजाब ने अभी तक इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। इससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। उसे इस मैच में घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। उसने तीन में से अपने दो मैच जीते हैं वहीं उसका एक मैच बारिश के कारण पूरा नहीं हो पाया था। पंजाब ने इस सत्र में 200 रन से अधिक रनों का लक्ष्य भी आसानी से हासिल कर लिया था।

टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अब तक के मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।

सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह के अलावा कूपर कोनोली ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं गेंदबाजी में विजयकुमार वैशाक ने प्रभावी प्रदर्शन किया है।

वहीं दूसरी ओर ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स अभी तक केवल एक मैच ही जीत पायी है। टीम की ताकत उसकी बल्लेबाजी है पर उसके बल्लेबाज इस सत्र में असफल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा भी अबतक असफल रहे हैं। उसके प्रमुख गेंदबाज

हर्षल पटेल और जयदेव उनादकट भी अबतक प्रभावी नहीं रहे हैं। केवल नीतीश कुमार रेड्डी और हेनरिक क्लासेन ही अब तक सफल रहे हैं। स्पिनर हर्ष दुबे ने पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन बनाये रखा है।

आईपीएल इतिहास में अब तक दोनों टीमों के बीच कुल 23 मैच खेले गए हैं। इसमें पंजाब किंग्स ने 7 तो हैदराबाद ने 17 मुकाबलों में जीत हासिल की है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर (कप्तान), अर्शदीप सिंह, प्रियांश आर्य, पाइला अविनाश, अजमतुल्लाह उमरजई, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, कूपर कोनोली, प्रवीण दुबे, बेन ड्वारशुइस, लॉकी फर्ग्यूसन, हरनूर सिंह, हरप्रीत बराड़, मार्को यानसन, मुशीर खान, विशाल निशाद, मिचेल ओवेन, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, विष्णु विनोद, विजयकुमार वैश्यक, नेहल वढेरा, यश ठाकुर।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी।

यूईएफए यूरोपा लीग- क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा। यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आक्रामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया।

डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय। दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया। बेटिस ने आक्रमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया। हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया। मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली।

भारत के खिलाफ टेस्ट में राशिद के बिना ही उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली । अफगानिस्तान की टीम को जून में भारत के खिलाफ मुल्लांपुर में होने वाले होने वाले एकमात्र टेस्ट में अपने स्टार स्पिनर राशिद खान के बिना ही उतरना होगा । इसका कारण है कि राशिद को डॉक्टर ने सलाह दी है उन्हें अपनी कमर को आराम देना होगा । आजकल आईपीएल खेल रहे राशिद से डॉक्टर ने कहा है कि अगर वह अपना करियर लंबा करना चाहते हैं तो टेस्ट क्रिकेट से दूर रहें । इसी कारण राशिद मैच से बाहर रहेंगे । राशिद का कहना है कि उनकी प्राथमिकता साल 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को देखते हुए फिटनेस हासिल करना है । राशिद ने साल 2023 वनडे विश्व कप के बाद कमर की सर्जरी कराई थी । उन्होंने कहा कि डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने की सलाह दी थी पर इसके बाद भी पिछले साल उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ एक टेस्ट खेलकर 54 ओवर किये थे ।

राशिद के अनुसार डॉक्टर ने उन्हें टेस्ट क्रिकेट से दूर रहने के लिए ही कहा था । इसके बावजूद उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ टेस्ट खेला । उन्होंने कहा, एकदिवसीय क्रिकेट में मुझे मजा आता है और मैं अफगानिस्तान के लिए लंबे समय तक खेल सकता हूं पर फिलहाल अपनी कमर को आराम देना चाहता हूं जिससे कि उसपर अधिक दबाव न पड़े । आईपीएल के बाद भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के बारे में खेलने को लेकर राशिद ने कहा कहा, ये काफी कठिन सवाल है । मैं 2025 में एक टेस्ट खेल चुका हूं और अब विश्व कप की तैयारी करूंगा । ऐसे में एक टेस्ट खेलकर अपना करियर खतरे में नहीं डाला जा सकता ।

हार से निराश रहाणे बोले, मुकुल ने हमसे मैच छीन लिया

कोलकाता । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के कप्तान आजिंक्य रहाणे ने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में मिली हार पर निराशा जताते हुए कहा कि इस प्रकार की हार को स्वीकार नहीं किया जा सकता है । केकेआर को इस सत्र में सभी तीन मैचों में हार झेलनी पड़ी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया । सुपरजायंट्स के खिलाफ उसे मैच की अंतिम गेंद पर हार मिली । इस मैच में एक समय केकेआर काफी अच्छी स्थिति में थी पर मुकुल चौधरी ने अंतिम ओवरों में अर्धशतक लगाकर मैच पलट दिया। हार को लेकर रहाणे ने कहा, 'इसे स्वीकार करना थोड़ा मुश्किल क्योंकि अंत तक हम मैच में बने हुए थे। मुकुल ने अंत में जबरदस्त शॉट खेलकर मैच हमसे छीन लिया। ऐसे करीबी मैचों में ज्यादा कमियां नहीं निकाली जा सकतीं ।' उन्होंने कहा, 'फील्डिंग में शायद एक-दो गलतियां हुईं पर हमारे गेंदबाजों ने अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाई। हारने के बाद कमियां निकालना आसान होता है । हमें लगा था कि इस पिच पर 180-185 का स्कोर अच्छा था क्योंकि बड़े शॉट खेलना आसान नहीं था। धीमी गेंदें रुक कर आ रही थीं इसलिए बल्लेबाजी करना कठिन था ।' रहाणे ने कहा, 'मुझे लगा कि 18 ओवर तक हम बहुत अच्छी स्थिति में थे पर अंत के दो ओवरों में स्थिति खराब हो गयी क्योंकि मुकुल ने मैच पलट दिया। हमारी गेंदबाजी अच्छी थी पर मुकुल ने उससे भी अच्छी बल्लेबाजी की और उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये ।'

पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने की भविष्यवाणी, आईपीएल खिताब का बचाव कर सकती है आरसीबी

फरीदाबाद (हरियाणा) (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंजुम चोपड़ा ने पूरा भरोसा जताया है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) अपना इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) खिताब बचाने में सक्षम है। मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स जैसी सफल फ्रेंचाइजी से तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना ही सबसे जरूरी है। RCB ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 2025 IPL के फाइनल में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना पहला IPL खिताब जीता था जिससे ट्रॉफी के लिए उनका 18 साल का इंतजार खत्म हो गया था।

चोपड़ा ने आगे कहा कि जो टीमें शुरुआत में ही लय पकड़ लेती हैं और अपनी फॉर्म बरकरार रखती हैं, वे आखिर तक जा सकती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस सीजन में कोई नया चैंपियन भी उभर सकता है, और RCB भी अपना खिताब बचा सकती है। बात करते हुए अंजुम चोपड़ा ने कहा, 'हां, वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकते हैं। मुंबई ने ऐसा किया है, चेन्नई ने ऐसा किया है, RCB भी ऐसा कर सकती है। और फिर से, जो टीम लगातार अच्छा खेलेगी, वह प्लेऑफ में पहुंचेगी। प्लेऑफ में पहुंचने वाली सभी टीमें वहीं से शुरुआत करती हैं, जहां उन्होंने पिछली बार छोड़ा था इसलिए वे निश्चित रूप से ऐसा कर सकती हैं। कोई नया चैंपियन भी बन सकता है और RCB भी अपना IPL खिताब बचा सकती है।'

चोपड़ा का मानना है कि RCB इस सीजन में सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही है और मौजूदा चैंपियन होने के नाते अपनी मजबूत लय को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने न केवल वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले साल छोड़ा था बल्कि मौजूदा सीजन में वे और भी ज्यादा प्रभावशाली और संतुलित नजर आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, 'RCB अच्छी लग रही है, वे सबसे ज्यादा व्यवस्थित टीम लग रही हैं क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन हैं। उन्होंने वहीं से शुरुआत की है जहां उन्होंने पिछले सीजन में छोड़ा था। असल में इस सीजन में वे और भी बेहतर लग रहे हैं।' RCB ने 2026 IPL के अपने दोनों शुरुआती मैच जीते हैं और अब वह पॉइंट्स टेबल में चार अंकों और +2.501 के शानदार नेट रन रेट (NRR) के साथ तीसरे स्थान पर है।

चोपड़ा को यह भी लगा कि पंजाब किंग्स (PBKS) भी जबरदस्त फॉर्म में है, पिछले सीजन में फाइनल तक पहुंचने की वजह से उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस अनुभव का फायदा उठाकर आगे कैसे बढ़ना है। उन्होंने कहा, 'पंजाब भी बहुत अच्छी दिख रही है। उन्होंने पिछले साल फाइनल भी खेला था, इसलिए उन्हें पता है कि उनका सफर कहां खत्म हुआ था और उन्हें दोबारा कहां से शुरुआत करनी है। उन्होंने शुरुआत भी अच्छी की है।' PBKS ने भी 2026 IPL सीजन की शुरुआत ज़ोरदार तरीके से की है। उन्होंने अपने तीन मैचों में से दो में जीत हासिल की, जबकि एक मैच ड्रॉ रहा। IPL पॉइंट्स टेबल में पंजाब 5 पॉइंट्स के साथ दूसरे स्थान पर है।

जोनाथन क्रिस्टी को हराकर आयुष शेट्टी ने किया उलटफेर, सेमीफाइनल में पहुंचे

निंगबो (चीन) । भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने शुक्रवार को बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन को हराकर बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली । आज यहां टॉप-4 में जगह बनाने के साथ ही आयुष शेट्टी 2018 में एच.एस. प्रणय के बाद इस कॉन्टिनेंटल टूर्नामेंट में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं । यह 2023 में चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के पुरुष डबल्स गोल्ड मेडल के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में भारत का पहला मेडल भी होगा। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद आयुष शेट्टी ने क्वार्टर-फ़ाइनल में इंडोनेशिया के ओलंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 23-21, 21-17 से हराया । पहला गेम बेहद कड़ा रहा, जिसमें कोई भी खिलाड़ी निर्णायक बढ़त नहीं बना पाया । पूर्व एशियाई चैंपियन जोनाथन क्रिस्टी 11-10 की मामूली बढ़त के साथ मिड-गेम ब्रेक में गए। जोनाथन क्रिस्टी 18-15 की बढ़त बनाकर मैच पर नियंत्रण बनाते दिख रहे थे और उन्हें गेम पॉइंट भी मिल गया था, लेकिन आयुष शेट्टी ने जोरदार वापसी की और मैच को टाई-ब्रेक में ले जाकर पहला गेम जीत लिया । दूसरा गेम भी उतना ही कड़ा रहा । आयुष शेट्टी 11-9 की मामूली बढ़त के साथ ब्रेक में गए, जिसके बाद उन्होंने मैच पर अपनी पकड़ मजबूत की और जीत हासिल करके सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली । दोनों खिलाड़ियों के बीच यह पहली भिड़ंत थी, जिसमें आयुष शेट्टी ने जोनाथन क्रिस्टी के ख़िलाफ़ अपनी पहली जीत दर्ज की । इससे पहले टूर्नामेंट में, आयुष शेट्टी ने पहले राउंड में दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी और मौजूदा एशियाई खेलों के चैंपियन ली शी फ़ेंग को चौंका दिया था । इसके बाद उन्होंने चीनी ताइपे के ची यू जेन को हराकर क्वार्टर-फ़ाइनल में जगह बनाई थी । सेमीफाइनल में, आयुष शेट्टी का मुक़ाबला थाईलैंड के पेरिस 2024 रजत पदक विजेता कुनलावुत विटिडसर्न और चीन की एशियाई खेलों की गोल्ड मेडल विजेता पुरुष टीम के सदस्य वेंग होंगयांग के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा ।

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया ने शुक्रवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, 'हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्यक्रम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा।'

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे।

व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, 'हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों।'

टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, 'मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आक्रामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। 'टीम-फर्स्ट' की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे।'

व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।

व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था।

2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही।

अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

बिली जीन किंग कप : इंडोनेशिया से हारा भारत, कोरिया की जीत का सिलसिला जारी

नई दिल्ली । बिली जीन किंग कप ग्रुप-ढ्ढ एशिया/ओशिआना मुकाबलों में भारत को गुरुवार को इंडोनेशिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा । डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में खेले गए इस मुकाबले में इंडोनेशिया ने दोनों सिंगल्स मैच जीतकर अजेय बढ़त हासिल कर ली । पहले सिंगल्स मुकाबले में वैष्णवी अडकर को प्रिस्का मैडेलिन नुग्रोहो के खिलाफ कड़े मुकाबले में 7-6(3), 6-7(3), 6-3 से हार झेलनी पड़ी । मैच काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा, जहां अडकर ने दूसरे सेट में वापसी करते हुए मुकाबला निर्णायक सेट तक पहुंचाया, लेकिन तीसरे सेट में इंडोनेशियाई खिलाड़ी ने बाजी मार ली । दूसरे सिंगल्स में सहजा यमलापल्ली को जेनिस त्जेन के खिलाफ 6-2, 6-1 से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा, जिससे इंडोनेशिया ने मुकाबला अपने नाम कर लिया । खबर लिखे जाने तक रुतुजा भोसले और अंकिता रैना इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ डबल्स मुकाबला खेल रही थीं । अन्य मुकाबलों में कोरिया गणराज्य ने न्यूजीलैंड को हराकर अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा । दायोन बैक ने वैलेंटिना इवानोव को 7-5, 6-3 से हराया, जबकि सोह्युन पार्क ने मोनिक बैरी को 6-0, 6-1 से हराकर टीम की जीत पक्की कर दी । कोरिया और इंडोनेशिया दोनों ही टीमें अब तक अपने सभी मुकाबले जीतकर तालिका में शीर्ष पर बनी हुई हैं । वहीं थाईलैंड ने भी शानदार वापसी करते हुए मंगोलिया को 3-0 से क्लीन स्वीप किया । थासापोर्न नाकलो ने अनु-वजिन गैंटोर को 6-1, 6-0 से हराया, जबकि पाचारिन चीपचांदेज ने खोंगोरजुल अलदारखिशिग को समान स्कोर से मात दी ।